हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 12.06.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 315 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

सिमडेगा में दर्दनाक हादसा, स्कॉर्पियो सवार 5 लोगों की मौत

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा जिले में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। स्कॉर्पियो वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से यह दर्दनाक घटना हुई, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी और मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार लोग किसी कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही कई लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार, चालक का वाहन पर नियंत्रण खोना अथवा सड़क की स्थिति को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

निति आयोग की 11वीं बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, कहा-

हमारा फोकस झारखंड के समग्र विकास पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नीति आयोग की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के समग्र विकास पर बल दिया। उसकी विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा की। समग्र विकास की विचारधारा को रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा तभी सार्थक होगी, जब उसे मानव पूंजी से जोड़ा जाए। उन्होंने झारखण्ड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में देखने की परंपरा से अलग विकास की यात्रा में साझेदार बनाने पर बल दिया। अपनी बातों को विस्तार से रखते हुए कहा कि राज्य के संसाधनों का राज्य में ही वैल्यू एडिशन हो, उससे जुड़ा मैनुफैक्चरिंग हो और राज्य की मानव पूंजी का उसमें उपयोग हो। उन्होंने केंद्र सरकार से क्रिटिकल मिनरल्स आधारित उद्योग विकसित करने के साथ साथ नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र विकसित करने में अपेक्षित सहयोग मांगा।

टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन-एनर्जी,लॉजिस्टिक्स और एग्रो- फूड प्रोसेसिंग के बड़े निवेश को झारखंड में बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने कहा कि माइनिंग और मिनरल्स क्षेत्र में एआई -बेस्ड मिनरल एक्सप्लोरेशन और सस्टेनेबल माइनिंग प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने और झारखंड को उद्योग एवं रोजगार का नया केंद्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। केंद्र सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन के हम आकांक्षी हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल को विकास का मूल आधार बताया। 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य के साथ राज्य को नई दिशा देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से 15 हजार के पास भवन नहीं है। इसके बावजूद पोषण अभियान और SAAMAR से कुपोषण में सुधार हुआ है। बच्चों को प्रतिदिन अंडा उपलब्ध कराया जा रहा है। 5000 नए आंगनबाड़ी भवन राज्य सरकार अपने संसाधनों से बना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से अब IIT और मेडिकल में बच्चों का चयन होने लगा है। राज्य सरकार 5000 उत्कृष्ट विद्यालय बनाने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने पीएम श्री और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। झारखंड में NCERT का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने का आग्रह भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने राज्य की विकास योजनाओं का खाका रखते हुए कहा कि राज्य हर साल 1 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा है। सारथी योजना के तहत 6.76 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। AI, EV, ड्रोन और सोलर जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जा रहा है। 53 हजार महिलाओं को आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को पंचायत स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया।

- खनिज प्रदेश झारखंड को मैन्युफैक्चरिंग हब और नॉलेज इकोनॉमी बनाने के संकल्प को दोहराया।
- मुख्यमंत्री ने झारखंड के संसाधनों को मानव पूंजी से जोड़ने पर दिया बल।

केंद्र और राज्य मिलकर दे सकते हैं 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य को गति : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य विकास के साझेदार के रूप में मिलकर कार्य करें तो भारत 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य की दिशा में और अधिक तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। नीति आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि दुनिया इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान विकास का आधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीति आयोग राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी मंच बन सकता है। राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मिलकर कार्य कर सकते हैं।

एमपी में भाजपा के तीनों रास उम्मीदवार निर्विरोध जीते, मीनाक्षी को बड़ा झटका

एजेंसी

भोपाल : मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीट के लिए 18 जून को मतदान होना है। लेकिन इससे पहले ही भाजपा के तीनों उम्मीदवारों को जीत का सर्टिफिकेट दे दिया गया है। दरअसल, मध्य प्रदेश से कांग्रेस की इकलौती राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द हो चुका है। मीनाक्षी का पर्चा रद्द होने के चलते भाजपा के तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध सदस्य चुन लिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा के तीनों उम्मीदवारों- रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट को जीत का सर्टिफिकेट दे दिये हैं। तरुण चुघ ने एक्स पर लिखा- आज राजा भोज की पावन नगरी भोपाल आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं आत्मीय ने स्वागत किया तथा भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा के तीनों प्रत्याशियों की ऐतिहासिक विजय पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भाजपा के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी कि नटराजन ने जानबूझकर अपने खिलाफ तेलंगाना में दर्ज एक मुकदमे का शपथ पत्र में कोई उल्लेख नहीं किया है।

कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन, महंगाई, पेपर लीक के मुद्दे पर देशव्यापी आंदोलन का किया एलान

नयी दिल्ली : कांग्रेस प्रश्नपत्र लीक, पेट्रोलियम पदार्थों की महंगाई, मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज किए जाने और देश की आर्थिक स्थिति को लेकर अगले दो से तीन महीने में राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेगी। आंदोलन ब्लॉक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आयोजित किया जाएगा। इसकी विस्तृत रूपरेखा अगले कुछ दिनों में पार्टी जारी करेगी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को यहां पार्टी महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की करीब तीन घंटे चली बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी।

एक नजर

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

चौपारण : प्रखंड के केसठ में बुधवार शाम करीब 6 बजे हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान 25 वर्षीय संजीत कुमार, निवासी जोकट (पंचायत करमा) के रूप में की गई है। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संजीत कुमार अपनी बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान केसठ के समीप एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन स्थिति गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान कर चालक के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार वाहन की तलाश की जा रही है।

दीवार गिरने से दो मजदूर घायल, एक की स्थिति गंभीर

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोनरा पंचायत के शादी मुहल्ला में पुराना ईट का दीवार गिरने से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो व्यक्ति भागने में सफल रहे। घायलों में डब्लू अंसारी बिहार निवासी, मो मिन्हाज उम्र करीब 40 वर्ष पिता फैजू मियां डपोक पंचायत के गरजामो निवासी शामिल है। घटना के बाद दोनों घायलों को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बरही अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी के अगुवाई में सभी घायलों को इलाज किया गया। जिसके बाद डब्लू अंसारी को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। हालांकि कुछ महिलाओं का कहना है कि सभी मजदूर दीवार को तोड़ रहे थे। इसी क्रम में दीवार भरभराकर गिर गया।

फल दुकान के गल्ले से चोरी करते युवक रंगे हाथ धराया

केरेडारी : केरेडारी थाना क्षेत्र के मुख्य चौक स्थित मुकेश फल दुकान के गल्ले से पैसे चोरी का प्रयास करते एक युवक को दुकानदारों और ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवक की पहचान केरेडारी ओमे गांव टोला करमाही निवासी मोहम्मद बारीक, पिता मुबारक मियां के रूप में हुई है। दुकानदार मुकेश ने बताया कि वह ग्राहकों को फल दे रहा था, तभी बारीक पीछे से गल्ले में हाथ डालकर पैसे निकालकर जेब में डाल रहा था। अगल-बगल के दुकानदारों ने देखकर शोर मचाया और मौके पर ही उसे दबोच लिया। सूचना पर केरेडारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को थाने ले गई। पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि मोहम्मद बारीक ब्राउन शुगर और अफीम का आदी है। इसका चोरी का पुराना इतिहास रहा है। दो माह पहले भी हाईवा वाहन से डीजल चोरी करते पकड़ा गया था, तब जुमार्ना लेकर छोड़ दिया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में ब्राउन शुगर का सेवन करने वाले युवाओं की संख्या बढ़ रही है। नशे के जुगाड़ के लिए युवा चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा सदर अस्पताल में लगेगा ब्लड सेपरेटर मशीन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पतालों की आधारभूत संरचनाओं तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के हालिया निरीक्षण में दिए गए निर्देशों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बिजली व्यवस्था, साफ-सफाई, पार्किंग, सोलर पैनल की मरम्मत, मरीजों-परिजनों के बैठने की व्यवस्था, कूलर-पंखे सहित अन्य सुविधाओं पर अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि निर्देशानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रशासनिक कार्यपद्धति अपनाई जाए और स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर प्रबंधन व जवाबदेही सुनिश्चित हो। ब्लड बैंक की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने रक्त की उपलब्धता की जानकारी ली और नियमित रूप से पर्याप्त रक्त सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सदर अस्पताल में ब्लड सेपरेटर मशीन के अधिष्ठापन की स्वीकृति दी। कहा कि अभी रक्त अवयव पृथक्करण के लिए हजारीबाग से रांची भेजना पड़ता है, जिसमें समय लगता है। मशीन लगने से मरीजों को त्वरित सुविधा मिलेगी। उपायुक्त ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा कर पात्र लाभुकों तक लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने का निर्देश दिया। संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी प्रयास तेज करने को कहा। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा में उपायुक्त ने जिले में टीबी मरीजों की संख्या, उपचार की स्थिति और सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी ली। निर्देश दिया कि टीबी से पूर्णतः स्वस्थ हो चुके मरीजों को कार्यक्रम का ब्रांड एंबेसडर बनाया जाए, ताकि वे अनुभव साझा कर अन्य मरीजों को प्रेरित कर सकें। सहिया के रिक्त पदों को शीघ्र भरने का निर्देश दिया गया। सभी प्रखंडों के सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ सब-सेंटरों की स्थिति, संसाधनों और जरूरतों की जानकारी ली गई। प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों ने सोलर सिस्टम, एंबुलेंस, चिकित्सकों के रिक्त पदों और उपकरणों की आवश्यकता बताई। उपायुक्त ने आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति व अधिष्ठापन शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, सिविल सर्जन अशोक कुमार, बरही डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी सहित सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चलकुशा की वर्षों पुरानी मांग पूरी, मसकेडीह रेलवे अंडरपास निर्माण को मिली मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : कोडरमा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत चलकुशा प्रखंड के मसकेडीह गांव के लोगों की बहुप्रतीक्षित रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। रेलवे मंत्रालय ने मसकेडीह रेलवे अंडरपास निर्माण परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। जानकारी के अनुसार, कोडरमा लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने 16 दिसंबर 2025 को रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के समक्ष मसकेडीह रेलवे अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव रखा था। उनके सतत प्रयासों और रेलवे मंत्रालय के सकारात्मक सहयोग के परिणामस्वरूप इस महत्वपूर्ण परियोजना को औपचारिक मंजूरी मिल गई। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि लंबे समय से चल रहे प्रयासों के बाद यह सफलता मिली है। अंडरपास के निर्माण से स्थानीय लोगों को रेलवे लाइन पार करने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। साथ ही आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा क्षेत्र में आधारभूत संरचना मजबूत होगी और सामाजिक व आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। अंडरपास निर्माण की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए जनप्रतिनिधियों और रेलवे मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि इससे वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा और चलकुशा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मनोकामनेश्वर शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बरही प्रखंड परिसर स्थित मनोकामनेश्वर शिव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। बरही विधायक मनोज यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। इस अवसर पर विधायक मनोज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं ने आम लोगों का जीवन स्तर ऊंचा किया है। भाजपा कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, रंजीत चंद्रवंशी, रामस्वरूप पासवान, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव, बंटी मोदी, राजदेव यादव, सांसद प्रतिनिधि अजय मेहता, नारायण यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खेरौन आंगनबाड़ी केंद्र में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन, 69 मरीजों की हुई जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड अंतर्गत खेरौन आंगनबाड़ी केंद्र में गुरुवार को आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं तथा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में डॉ. राजीव चन्दन के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने मरीजों का उपचार किया। इस अवसर पर बिजेंद्र कुमार, सुमन बिश्वाश, राहुल कुमार, सलेन्द्र कुमार, सूरज कुमार, शमसाद आलम, रीना देवी, ममता देवी एवं बबिता देवी उपस्थित रहे और शिविर के सफल संचालन में सहयोग किया। शिविर के दौरान कुल 69 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण किया गया। इनमें 17 पुरुष एवं 52 महिला मरीज शामिल थे। वहीं 67 मरीजों का एक्स-रे किया गया। स्वास्थ्य जांच के क्रम में 4 मरीजों के स्पॉट सैंपल संग्रहित किए गए तथा 48 मरीजों की एनसीडी (गैर-संचारी रोग) जांच की गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया।

आज हजारीबाग में सजेगा आम उत्सव-सह-बागवानी मेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत आगामी 12 जून 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से ओपन थिएटर (झील परिसर), हजारीबाग में एक दिवसीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन किया जाएगा। उप विकास आयुक्त रिया सिंह द्वारा इस संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, डीपीएम, जेएसएलपीएस तथा जिला योजना पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। मेले का उद्देश्य जिले के आम उत्पादक किसानों एवं बागवानों को बाजार उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य सुनिश्चित करना तथा बागवानी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। मेले में सभी प्रखंडों के आम उत्पादक लाभुक अपने उत्पादों के साथ भाग लेंगे तथा सीधे उपभोक्ताओं को आम की बिक्री करेंगे। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने प्रखंडों के आम उत्पादक लाभुकों की सूची तीन दिनों के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि मेले में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, जेएसएलपीएस द्वारा ओपन थिएटर परिसर में प्रखंडवार स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आम फलों की बिक्री की जाएगी। साथ ही स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पादों एवं सामग्रियों की बिक्री हेतु भी विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में किसान उत्पादक संगठन भी भाग लेंगे। आम फलों के क्रय मूल्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी भी संबंधित विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

बरही में कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम आयोजित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की ओर से बरही प्रखंड के बरही पूर्वी पंचायत भवन में मतदाता सूची के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर संगठन सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष सह हजारीबाग जिला कांग्रेस प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यकताओं को इसकी समय-सीमा एवं प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पंचायत स्तर तक जाकर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटने दिया जाएगा। यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो कार्यकर्ता तत्काल इसकी सूचना दें। उन्होंने मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां सुरक्षित रखने की भी सलाह दी, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका उपयोग किया जा सके। कार्यक्रम में जिला स्तर से पहुंचे परवेज अहमद ने एसआईआर से संबंधित तकनीकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सभी प्रखंडों में पांच-पांच कार्यकर्ताओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे मतदाताओं की सहायता कर सकें। वहीं प्रदेश सचिव सह बरही विधानसभा प्रभारी मनीषा टोपो ने कार्यकर्ताओं से संगठन सृजन अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व हर स्तर पर उनके साथ खड़ा है। मौके पर गौ सेवा आयोग अध्यक्ष सह जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद, प्रदेश सचिव सह बरही विधानसभा प्रभारी मनीषा टोपो, सेवा दल जिला अध्यक्ष गुड्डू सिंह, जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, मो. वारिस, दीपक गुप्ता, अब्दुल मनान वारसी, प्रमुख मनोज रजक, उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा, तौकीर रजा, कार्तिक पासवान, विष्णुधारी महतो, नितेन्द्र गिरी, मो. गुलजार, प्रकाश विश्वकर्मा, मो. तैयब अंसारी, अशोक सिंह, मनोज रविदास, सुनील साव, विजय कुमार, हुमायूं अंसारी, अर्जुन साव, महेश प्रसाद, मो. कयूम, फिरोज निजामी, सिकंदर कुमार, सेराज अहमद, मुकेश पासवान, गुड्डू रविदास, प्रेम कुमार, पंकज प्रसाद, राम जीवन, अजय आनंद, राम प्रकाश, सलीम वारसी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव मध्य पंचायत में 236 प्रधानमंत्री आवास के चयन को लेकर ग्रामसभा आयोजित

बड़कागांव : बड़कागांव मध्य पंचायत सचिवालय में गरीबों के लिए 236 प्रधानमंत्री आवास को लेकर ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता मुखिया मो तकरीमुल्लाह खान एवं संचालन पंचायत सचिव मो हकीम ने किया। मुखिया मोहम्मद तकरीम उल्लाह खान ने बताया कि 236 प्रधानमंत्री आवास का ग्राम सभा किया गया है। वहीं ग्राम सभा में ग्रामीणों द्वारा मांग किया गया कि क्षेत्र में गरीबों की संख्या को देखते हुए आवास की संख्या बढ़ाया जाए। मौके पर वार्ड सदस्य सपना देवी, सविता देवी, सीमा देवी, गणेश राम, मो रोहित, छोटू ठाकुर, संजय रवि राजू राम, कैलाश राम, मुखिया प्रतिनिधि मो मजहर अली समेत सभी वार्ड सदस्य, ग्रामीण महिलाएं व पुरुष शामिल थे।

हरली हाई स्कूल की जमीन को किसी भी संस्था या व्यक्ति को अधिग्रहण नहीं करने देने का निर्णय

बड़कागांव : हाई स्कूल हरली का जमीन बचाने के लिए, स्कूल प्रबंधन कमेटी, मुखिया प्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्य, हाई स्कूल के जमीनदाताओं और समाज के प्रबुद्ध लोगों के बीच बैठक हुई। जिसमें निर्णय लिया गया की हाई स्कूल की जमीन को किसी व्यक्ति या संस्था को अधिग्रहण नहीं करने दिया जाएगा। स्कूल में पठन पाठन एवं छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए बैठक में चर्चा किया गया । अगली बैठक 18 को विशेष चर्चा के लिए ,ग्राम सभा रखा गया है । जिसमें हाई स्कूल प्रबंधन अध्यक्ष अशोक साव, हरली मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर कुमार, अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार, पंचायत समिति सदस्य कोशल्या देवी, पूर्व पंचसस उपेंद्र महतो, चुरामन महतो, रामेश्वर महतो, टिकेश्वर महतो, देवनारायण महतो, उपेंद्र महतो, गंगेश्वर महतो, विष्णी देवी, चंद्रदेव महतो, चतुर महतो, दशरथ महतो, मुकेश महतो, सिदेश्वर महतो, चिंतामन महतो, गुड़िया देवी, राज किशोर साव, संकर साव, राम प्रकाश रवि, संजय राम, गीता देवी, राम प्रकाश रवि व अन्य उपस्थित थे।

'तरंग' से उड़ान भर रहे ग्रामीण सपने, आईआईटी जेईई और नीट की तैयारी अब गांव में

बड़कागांव : लगभग दस माह पूर्व एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने परियोजना प्रभावित परिवारों के बच्चों के भविष्य को संवारने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी शैक्षणिक पहल की शुरूआत की थी। आज यह पहल केवल एक कोचिंग कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के सपनों को साकार करने का एक मजबूत माध्यम बन चुकी है। तरंग नाम से संचालित इस विशेष कार्यक्रम के तहत परियोजना प्रभावित गांवों के दसवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को आईआईटी- जेईई नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क तैयारी कराई जा रही है। पिछले दस महीनों में इस पहल ने अनेक विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास जगाया है और उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि प्रतिभा अवसरों की मोहताज नहीं होती। बड़कागांव और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण कोचिंग संस्थानों की कमी लंबे समय से एक चुनौती रही है। बेहतर तैयारी के लिए छात्रों को रांची, पटना, कोटा या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जिससे आर्थिक और सामाजिक दोनों प्रकार की कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। ऐसे समय में एनएमएल की यह पहल स्थानीय छात्रों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आज इस कार्यक्रम के विद्यार्थी नियमित रूप से मॉक टेस्ट, विषयवार मूल्यांकन और प्रतियोगी परीक्षा आधारित अध्ययन पद्धति के माध्यम से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। कई विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक क्षमता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है और मेडिकल एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में करियर बनाने के अपने सपनों को नई मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। इस पहल के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुब्रत कुमार दास,पकरी बरवाडीह एवं पीबी-नॉर्थ वेस्ट ने कहा, ह्लशिक्षा किसी भी समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है। हमारा प्रयास केवल कोचिंग उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को ऐसे अवसर प्रदान करना है जिससे वे देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों तक पहुंच सकें। पिछले दस महीनों में विद्यार्थियों के भीतर आया आत्मविश्वास और सीखने की ललक हमारे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में इसी पहल से निकलने वाले छात्र डॉक्टर, इंजीनियर और विभिन्न क्षेत्रों के सफल पेशेवर बनकर अपने परिवार, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेंगे।

13 जून को होगी विधानसभा स्तरीय एसआईआर बैठक, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

बरही : विधानसभा स्तरीय एसआईआर को लेकर आगामी 13 जून को सुबह 10 बजे से होटल श्री परिवार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की तैयारियों को लेकर बरही विधायक मनोज यादव ने अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक के दौरान विधायक मनोज यादव ने एसआईआर से संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकताओं से निर्धारित तिथि को बैठक में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं संगठनात्मक गतिविधियों के दृष्टिकोण से यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। विधायक मनोज यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को बैठक में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तर पर होने वाली यह बैठक आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं समर्थकों से समय पर बैठक स्थल पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, रंजीत चंद्रवंशी, रामस्वरूप पासवान, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव, सांसद प्रतिनिधि बंटी मोदी, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक नजर

नायक ने दी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को बधाई

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने झारखंड राज्य सूचना आयोग के नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को बधाई देते हुए उनसे लंबित शिकायतवाद और द्वितीय अपीलवाद के समयबद्ध निष्पादन की दिशा में ठोस पहल करने का आग्रह किया है। नायक ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ऐतिहासिक देन है, जिसने आम नागरिकों को शासन-प्रशासन से जवाब मांगने का अधिकार दिया। उन्होंने कहा कि यह कानून लोकतंत्र को मजबूत करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और सरकारी कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य सूचना आयोग में बड़ी संख्या में शिकायतवाद और द्वितीय अपील के मामले वर्षों से लंबित हैं, जिससे लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में आयोग को विशेष अभियान चलाकर लंबित मामलों के निष्पादन को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रदेश प्रवक्ता ने सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर विशेष सुनवाई शिविर या विशेष सूचना अदालत आयोजित कर पुराने मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि दूरदराज क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों, किसानों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों और वंचित वर्गों के लिए आरटीआई एक महत्वपूर्ण अधिकार है।

राज हॉस्पिटल की टीम ने किया डायाफ्रामेटिक हर्निया का सफल लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन

रांची : उन्नत एवं अत्याधुनिक दूरबीन (लेप्रोस्कोपिक) सर्जरी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए राजधानी रांची स्थित राज हॉस्पिटल के एडवांस्ड जीआई एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. आशीष कुमार (मोदी) ने 30 वर्षीय एक युवती के दुर्लभ एवं जटिल लार्ज डायाफ्रामेटिक हर्निया का सफल ऑपरेशन किया। इस सफल सर्जरी से न केवल मरीज को कई महीनों से चली आ रही गंभीर श्वसन संबंधी परेशानियों से राहत मिली, बल्कि उसे इलाज के लिए झारखंड से बाहर जाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ी। यह उपलब्धि राज हॉस्पिटल में उपलब्ध उन्नत चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञता को दर्शाती है। मरीज शक्ति देवी (30 वर्ष) पिछले छह से सात महीनों से लगातार खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा सोने के दौरान असहजता जैसी समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्होंने कई स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार कराया और दवाइयां भी लीं, लेकिन उनकी स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ। राज हॉस्पिटल्स में डॉ. आशीष कुमार (मोदी) से परामर्श लेने के बाद उनकी विस्तृत जांच एवं सीटी स्कैन कराया गया।

राजद प्रदेश कार्यालय में 79 पाउंड का केक काटकर मनाया गया लालू यादव का 79वां जन्मदिन

रांची : राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का 79वां जन्मदिन बुधवार को राजधानी रांची स्थित झारखंड प्रदेश राजद कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने 79 पाउंड का केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव सामाजिक उत्थान, सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक न्याय के सबसे बड़े जननायकों में से एक हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी भी सांप्रदायिक और कट्टरपंथी ताकतों के सामने नहीं झुके।

झारखंड में बदला मौसम, रांची सहित विभिन्न जिलों में प्री मानसून बारिश से राहत

महज 2 घंटे की बारिश में निगम के सफाई अभियान की खुली पोल, रांची में जलजमाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य की विभिन्न जिलों में प्री मानसून की बारिश शुरू हो गई है। आने वाले तीन-चार दिनों तक रांची सहित विभिन्न जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 12 और 13 जून को बारिश और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 13 जून के बाद भी राज्य भर में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से 16 जून तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और प्रचंड गर्मी महसूस हुई, लेकिन दोपहर बाद काले और घने बादल छाये रहे और मूसलाधार बारिश हुई। इससे लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली। साथ ही तापमान में 05 से 06 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 13 से 15 जून के बीच मानसून के झारखंड में प्रवेश करने की संभावना व्यक्त की है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.2 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची में 21.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

शहर में गुरुवार को करीब दो घंटे तक चली तेज हवा और मुसलाधार बारिश ने नगर निगम के सफाई अभियान की हकीकत उजागर कर दी। बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख इलाके जलजमाव गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण बड़ा तालाब, हिंदपीढ़ी, कर्बला चौक, मेन रोड समेत कई प्रमुख मार्गों पर जलजमाव की स्थिति बन गई। नालियों की समुचित सफाई नहीं होने के कारण कूड़ा-कचरे से भरी नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा। इससे कई इलाकों में आवागमन प्रभावित हुआ और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। तेज हवा और बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, कई स्थानों पर पेड़ों की डालियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। पुराने बार एसोसिएशन के सामने तेज हवा के कारण एक पेड़ की बड़ी डाली टूटकर सड़क पर गिर गई। उस समय कचहरी परिसर के आसपास अपने काम से आए लोगों ने दुपहिया वाहन सड़क किनारे खड़े कर रखे थे। अचानक डाली गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों ने बताया कि हर साल बारिश से पहले नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में शहर की स्थिति बदहाल हो जाती है।

विनय महतो केस : सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट का विरोध, पिता पहुंचे कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ सफायर इंटरनेशनल स्कूल के मृतक छात्र विनय कुमार महतो के पिता मनबहाल महतो ने एसडीजेएम की अदालत में प्रोटेस्ट पिटीशन दायर की है। मनबहाल महतो ने सीबीआई के अनुसंधान पर असंतुष्टि जताई है।

इस प्रोटेस्ट पिटीशन पर अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस हुई, जो अगली सुनवाई शुक्रवार को भी जारी रहेगी। सफायर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विनय कुमार महतो की मौत मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने के बाद विनय के पिता मनबहाल महतो को अदालत ने नोटिस जारी किया था। सीबीआई के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सह एसडीजेएम रूपम स्मृति टोपनो की अदालत ने आरसी केस संख्या 04/2022 में सुनवाई करते हुए मनबहाल महतो को 15 जून 2026 तक खुद व अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था।

अदालत ने यह आदेश सीबीआई की ओर से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट को देखते हुए दिया था। उल्लेखनीय है कि पांच फरवरी 2016 में सफायर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में 13 वर्षीय छात्र विनय महतो की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। सीबीआई ने बीते दिनों सीबीआई की विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर मामले में किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता या हत्या की साजिश का कोई ठोस सबूत नहीं पाई जाने की बात कही थी।

परिसीमन, सरना धर्म कोड व पांचवीं अनुसूची को लेकर आदिवासी संगठनों ने जताई चिंता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रेस क्लब में आदिवासी छात्र संघ, झारखंड, राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत एवं सरना धर्म सोतोः समिति खूंटी के संयुक्त तत्वावधान में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। वार्ता में झारखंड की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं संवैधानिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर चिंता व्यक्त की गई। संगठनों ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन, आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड के प्रावधान और पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की स्थिति को लेकर आदिवासी समाज में असंतोष बढ़ रहा है। संगठनों का कहना है कि झारखंड राज्य का गठन आदिवासी समाज के अधिकारों, पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में इन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ रही है।

प्रमुख मांगें रखी गई

- प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया में अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- जनगणना में सरना धर्म के लिए पृथक धर्म कोड लागू किया जाए।
- पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों के संवैधानिक प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए।
- पेसा कानून एवं आदिवासी हितों से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।
- अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों एवं राजनीतिक अधिकारों में किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाए।

नेवरी गोलचक्कर के पास ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड गोलंबर के पास बुधवार शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 41 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, जबकि मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, घटना शाम करीब 7 बजे की है। मृतका नाजमा खातून अपने पति मकबूल अंसारी के साथ बेटी-दामाद के घर नयासराय गांव से लौट रही थीं। इसी दौरान रिंग रोड गोलंबर के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक, जिसे प्रत्यक्षदर्शियों ने सीएनजी गैस टैंकर बताया, ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नाजमा खातून सड़क पर गिर गईं और टैंकर की चपेट में आ गईं। हादसा इतना भयावह था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके पति मकबूल अंसारी बाल-बाल बच गए।

घटना की सूचना मिलते ही बीआईटी मेसरा थाना प्रभारी बसंत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों और परिजनों को शांत कराते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। बीआईटी मेसरा और अनगड़ा थाना पुलिस ने टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर दुर्घटना में शामिल वाहन को टाटीसिलवे क्षेत्र से जब्त कर थाने लाया गया। हादसे की खबर मिलते ही मृतका के परिवार में मातम छा गया।

विधायक की उपस्थिति में कई विकासशील योजनाओं का किया गया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली विधायक अमित महतो की उपस्थिति में कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया जिसमें झारखंड सरकार के विधायक निधि से टुटकी में अरूणा देवी के द्वारा पीसीसी पथ निर्माण कार्य, टुटकी नवाडीह के तांतीटोला सरकारी कुआं से बाबू महतो के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, सिल्ली के छाताटांड़ स्कूल के ऊपर चट्टानी तक लखी देवी के द्वारा नाली निर्माण कार्य, सिल्ली नीचे टोला महावीर मंदिर से छाताटांड़ रोड तक ओमनी देवी के द्वारा नाली निर्माण, जोबला महावीर मंदिर से जोबला सोतिया तक संजोति देवी के द्वारा नाली निर्माण कार्य का शिलानस किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वर्तमान विधायक ने कहा की सिल्ली विधानसभा में विकास चक्र को तेजी से आगे बढ़ाना है ताकि ग्रामीण उससे लाभान्वित हो सके। ग्रामीणों की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करने का प्रयास भी लगातार जारी है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मी कुमारी, अखिलेश कुमार, अखिल महतो, रमेश सिंह, समीर ठाकुर, शेखर महतो, राजेश महतो, बनमाली महतो, विजय साहू, संजय महतो, चरण महतो देवेन महतो, राधेश्याम महतो समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 12 वर्ष का कार्यकाल सुशासन व जनकल्याण को है समर्पितः बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक 12 वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन, विकास, विश्वास और जनकल्याण को समर्पित रहा है। एक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में आज 4400 दिन पूरा कर वे देश में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं। यह देश और भारतीय जनता पार्टी के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला अध्याय है। मरांडी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण करने के अवसर पर आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर बोल रहे थे।

मरांडी ने कहा कि इन 12 वर्षों में विकास कार्यों की एक लंबी फेहरिस्त है। जितना भी कार्य किया गया है वह अद्भुत है। मोदी सरकार ने विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कांग्रेस के लिए जो गरीबी सिर्फ नारा भर था, इन 12 वर्षों में मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है।

इस कार्यकाल में देश में ऐतिहासिक और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं। भारत ने विकास, आत्मनिर्भरता, गरीब कल्याण और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। पीएम ने प्रभावी एवं दूरगामी कदम उठाए हैं। 12 वर्षों का यह सफर केवल उपलब्धियों की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के विकास, विश्वास, आकांक्षाओं और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की गाथा है।

मरांडी ने कहा कि आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं तो 81 करोड़ लोगों को देशभर में फ्री अनाज मिल रहा है। 50 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान योजना से जोड़ा गया है। 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्का आवास मिला है। 11 करोड़ से अधिक लाभुकों को उज्जवला गैस योजना के तहत गैस कनेक्शन का लाभ मिला है। देश में 2 लाख से अधिक स्टार्टअप चल रहा है। यह कोई साधारण बात नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर आ गई है। अब देश तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।

वहीं झारखंड के संदर्भ में देखें तो यहां 2.02 करोड़ जन धन योजना के खाते हैं। 1.35 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। 2.64 करोड़ गरीब कल्याण योजना के लाभार्थी हैं। 18.8 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। पीएम मुद्रा योजना के तहत 89000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का वितरण किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

पुरुषोत्तमी एकादशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजा श्री श्याम मंदिर

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को पुरुषोत्मी एकादशी को लेकर प्रातः काल जब मंदिर के पट खुले तब से ही भारी संख्या में भक्तों की उपस्थिति देखने को मिली। प्रातः 5:30 बजे मंगला आरती की गई। कुछ देर बाद मंड के पर्दे लगाकर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में बाबा श्री श्याम का प्रातः कालीन दिव्य श्रृंगार किया गया । प्रातः 8:30 बजे श्रृंगार आरती में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही हरमू रोड में हारे के सहारे की जय श्याम प्यारे की जय के जयकारो की आवाज सुनाई दे रही थी। भक्त अपने आराध्य देव के आगे अपनी अर्जी लेकर लाइन में लगे हुए थे। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर की ऐसी मान्यता है कि जो भी इस दरबार में अर्जी लगाते हैं उनकी अर्जियां बाबा जरूर पूर्ण करते हैं । इस दरबार से कभी भी कोई भक्त खाली नहीं लौटा और बाबा श्याम हर एक भक्त की मनोकामना जरूर पूर्ण करते हैं जो बाबा को सच्चे और निस्वार्थ भाव से ध्याते है। प्रातः कालीन श्रृंगार आरती के बाद जय जय जय खाटू के वासी जय जय बाबा श्याम के जयकारा के भजनों से मंदिर परिसर गुंजायमान था आरती में मण्डल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, मंत्री विष्णु चौधरी, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राजेश ढांढनीया आदि सैकड़ो भक्त उपस्थित थे।

संत जेवियर्स कॉलेज में स्नातक में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा 16 से

रांची : संत जेवियर्स कॉलेज, रांची में स्नातक सत्र 2026-30 के लिए चार वर्षीय रेगुलर एवं तीन वर्षीय वोकेशनल पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक बदलाव करते हुए संशोधित शेड्यूल जारी कर दिया गया है। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 जून 2026 निर्धारित की गई है। कॉलेज की ओर से बताया गया है कि प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए सभी पाठ्यक्रमों का सिलेबस कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट www.sxcran.ac.in पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी अपनी परीक्षा तिथि से एक दिन पहले कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर फॉर्म नंबर के माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर, एसजे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के आधार पर चरणबद्ध तरीके से नामांकन प्रक्रिया जुलाई के पहले सप्ताह तक पूरी कर ली जाएगी। प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं जुलाई के तीसरे सप्ताह से शुरू होंगी, जबकि अन्य सेमेस्टर की कक्षाएं 22 जून से पूर्ववत संचालित होंगी। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी www.sxcran.ac.in या संपर्क नंबर 9204548576, 7542920586, 8538970586 पर संपर्क कर सकते हैं।

सी-डैक और सरला बिरला विवि के बीच तकनीकी सहयोग पर बनी सहमति

रांची : सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पटना और सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, एडवांस्ड और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति बनी है। इस संबंध में गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित बैठक में कुलपति प्रो सी जगनाथन, कुलसचिव प्रो श्रीधर डांडिन और सी-डैक के सेंटर हेड अभिनव दीक्षित और साकेत कुमार झा ने चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों संस्थानों ने तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त पहल पर सहमति व्यक्त की। इस सहयोग के तहत विद्यार्थियों को उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं और कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही सी-डैक के विभिन्न केंद्रों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगोन्मुखी अनुभव भी प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने इस पहल को विद्यार्थियों के भविष्य और संस्थान के शैक्षणिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने विश्वास जताया कि यह साझेदारी तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी और छात्रों की रोजगार क्षमता को सुदृढ़ बनाएगी।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में घोटाले का आरोप, किसानों ने उपायुक्त से की जांच की मांग

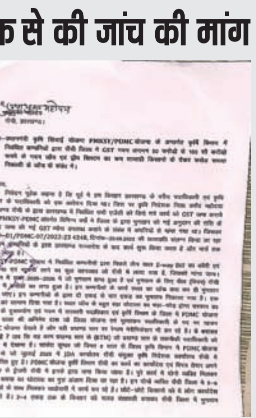

रांची : जिले के कुछ किसानों ने कृषि विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई/पीएमडीसी) में अनियमितता बरते जाने और सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। इस संबंध में जिले के पांच किसानों ने रांची के उपायुक्त को पत्र प्रेषित कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में किसानों ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत कृषि विभाग में निबंधित कुछ निजी कंपनियों द्वारा विभागीय अधिकारियों की सांठ-गांठ से सरकारी राशि की बंदरबांट की जा रही है। किसानों ने कहा है कि वास्तविक लाभुकों को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लाभ से वंचित रखते हुए निजी कंपनियों द्वारा मनमाने ढंग से चहेते लाभुकों को उपकृत किया जाता है। आवेदन में कहा गया है कि मानक के अनुरूप गुणवत्तायुक्त सामग्री की आपूर्ति नहीं करने वाले कुछ कंपनियां को भी नियम विरुद्ध कार्य आवंटित कर दिया गया है। सिपेट द्वारा जांच में जिन कंपनियों पर घटिया सामग्री आपूर्ति का आरोप सही पाया गया, उसे भी कुछ विभागीय अधिकारियों के मिलीभगत से कार्य आवंटित कर दिया गया।आवेदन में किसानों ने कहा कि निजी कंपनियों द्वारा जीएसटी राशि का भी घोटाला किया जा रहा है। इसमें कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता है। किसानों ने पूरे मामले की जांच उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर कराने की मांग उपायुक्त से की है।

एक नजर

मारपीट को लेकर थाना में दिया गया आवेदन

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र मरकच्चो के मुरकमनाय पंचायत स्थित योगिया टीलहा निवासी कंचन देवी ने चल अचल सम्पति की बंटवारे को लेकर जान मारने की नीयत से मारपीट करने को लेकर मरकच्चो थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में कंचन देवी ने कहां है कि 10 जून की रात्रि लगभग 9 :00 बजे प्लांनिग बनाकर बगल के ही गौतम गोस्वामी35 वर्ष पिता स्वर्गीय महादेव नाथ गोस्वामी, रवीना देवी 39 वर्ष पति गौतम गोस्वामी, नकुल नाथ गोस्वामी,बबीता देवी, दिव्या कुमारी,दीपिका कुमारी सभीलोग अचानक मारपीट करने लगे। जिसमें भीमदेव गोस्वामी, कंचन देवी, सीमा देवी तथा धनन्जय गोस्वामी घायल हो गए। घटना में उन्हें चोटे भी आई है। पीड़िता कंचन देवी ने थाना प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईटेंशन तार के चपेट में आकर मवेशी की मौत

चंदवारा : चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह गांव में गुरुवार को हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर खेत में गिर पड़ा। तार गिरते ही खेत में चर रहे चार पशुओं की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ नाराजगी जताते हुए रामपुर बसरिया रोड को जाम कर दिया और कहा कि हाईटेंशन लाइन लंबे समय से जर्जर हालत में थी। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने लाइन की मरम्मत या बदलाव की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते लाइन ठीक कर दी जाती तो यह हादसा टल सकता था। घटना की सूचना पा कर कार्यपालक अभियंता रणधीर सिंह, अंचलाधिकारी अशोक भारती और चंदवारा थाना पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची। कार्यपालक अभियंता रणधीर सिंह द्वारा जर्जर पोल, तार को ठीक करने और पशुपालक को मुआवजा देने के आश्वाशन पर ग्रामीणों ने जाम को हटा दिया।

रामगढ़ में नशामुक्ति अभियान की शुरूआत जागरूकता रथ को उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले को नशामुक्त और जागरूक समाज की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। उपायुक्त ऋतुराज के मार्गदर्शन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में नशे के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

जिला समाज कल्याण विभाग और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त ऋतुराज ने अधिकारियों और कर्मियों को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी देगा। कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

अभियान के तहत जिले की सभी पंचायतों और गांवों में रैली, समूह बैठक, ग्राम सभा, जनसंवाद, शपथ ग्रहण और अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों को नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में जागरूक किया जाएगा।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीता सिंह, जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी मौजूद थे।

श्मशान शेड निर्माण में अनियमितता का आरोप ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ (कुज्जू) : मांडू प्रखंड की मंझला चुम्बा पंचायत के केंदया गोसाई में 15वें वित्त आयोग मद से लगभग 2.49 लाख रुपये की लागत से बन रहे श्मशान शेड के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में कथित अनियमितता, गुणवत्ता मानकों की अनदेखी और पारदर्शिता के अभाव का आरोप लगाते हुए प्रशासन से उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

गुणवत्ता को लेकर जताई चिंता

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। उनका आरोप है कि छत ढलाई में निर्धारित 10 एमएम सरिया की जगह 8 एमएम सरिया का उपयोग किया गया है। साथ ही ढलाई कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं, जिससे निर्माण की मजबूती और टिकाऊपन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

देर रात निर्माण कार्य पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों के अनुसार श्मशान शेड का निर्माण कार्य देर रात तक कराया जा रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक योजनाओं के तहत होने वाले कार्यों का रात के समय संचालन पारदर्शिता को लेकर संदेह पैदा करता है और इससे गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं।

विरोध के दौरान विवाद का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर आपत्ति जताई तो पंचायत की मुखिया लक्ष्मी देवी के पति बबलू साव उर्फ झरेंद्र साव ने नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों का दावा है कि इस दौरान विरोध कर रहे लोगों के साथ अभद्र व्यवहार और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई। हालांकि इस संबंध में दूसरे पक्ष का बयान प्राप्त नहीं हो सका है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने, उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की समीक्षा करने और जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित होना आवश्यक है।

भुवनेश्वर भुईयां, जेठू भुईयां, विनोद कुमार, फूचन भुईयां, सुरेंद्र रविदास, टिंकू भुईयां, सिकंदर कुमार भुईयां समेत कई ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दरबार में आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना परिसर में गुरुवार को आयोजित जनता दरबार में पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान अनीश सिंह हत्याकांड के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से भेंट कर न्याय की गुहार लगाई। साथ ही घटना में संलिपित लोगों की अभिलंब गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने उनके परिजनों को निश्चित न्याय दिलाने की बात कही, तथा अविलम्ब गिरफ्तार करने की बात कही । जन सुनवाई के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों व लोगों ने मरकच्चो मुख्य बाजार रोड में गुरुवार को जाम लगने , मरकच्चो से ब्लॉक चौक तक रोड में अतिक्रमण का मुद्दा,मरकच्चो स्टेडियम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित अस्पताल मैदान, उत्तकर्मित कन्या मध्य विद्यालय परिसर मरकच्चो ,पँचखेरो डैम में शराबियों के द्वारा शराब पीने,हुड़दंग मचाने व शराब की बोतल तोड़ने वाले शराबियों पर नकेल कसने की मांग की। इस दौरान भूमि विवाद, आपसी विवाद, ,महिला उत्पीड़न तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुई । पुलिस अधीक्षक ने संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता कि समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना पुलिस की प्राथमिकता है तथा किसी भी पीड़ित को न्याय दिलाने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दरबार में उपस्थित लोगों ने अपनी अपनी समस्याएं रखी। जिनके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। मौके पर थाना प्रभारी नन्दकिशोर तिवारी, थाना पुलिसकर्मी एवं फरियादी उपस्थित थे।

सरदारोडीह में खेत बचाओ अभियान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : चंदवारा प्रखंड के आरागारो पंचायत के सरदारोडीह में गुरुवार को खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में किसानों को बीजोपचार, कम बारिश होने कि संभावना पर वैकल्पिक खेती, कम पानी में होने वाले फसलों को लगाने ,रासायनिक उर्वरकों का संतुलित एवं कम प्रयोग,जैविक खेती को अपनाने,हरी खाद का उपयोग और इसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया। साथ ही कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा केसीसी के लिये मोबाइल ऐप कि जानकारी दी गई और किसानों को जागरूक किया गया। मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र जयनगर वैज्ञानिक चचिला कुमारी,नुपुर चोधरी, विनय राठी,प्रखंड तकनीकी प्रबंधक संतोष कुमार सिंह,सहायक तकनीकी प्रबंधक दीक्षा शर्मा, कृषक मित्र अजय साव,परमेश्वर साव, किसानों में समरी देवी शान्ति देवी कुन्ती देवी विद्यावती देवी सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

पीवीयूएनएल के गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन ने बेटियों को दिए आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के नए पंख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ (पतरातू) : ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने के उद्देश्य से पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) द्वारा आयोजित गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन -2026 का समापन समारोह आरण्य गेस्ट हाउस में उत्साह और प्रेरणा के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में झलका आत्मविश्वास

समारोह की शुरूआत स्वागत गीत से हुई। इसके बाद बालिकाओं ने नाटक, राजस्थानी लोकनृत्य, योग प्रदर्शन सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों, अधिकारियों और अतिथियों का मन मोह लिया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा को मिला प्रोत्साहन

कार्यक्रम के दौरान पीवीयूएनएल ने सीएसआर एवं सामुदायिक विकास कार्यक्रम के तहत अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा को उनकी खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए 2.40 लाख रुपये की प्रायोजन राशि प्रदान की। इस पहल को क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया।

प्रेरणादायी फिल्म ने दिखाई बदलाव की कहानी

गर्ल्स एम्पावरमेंट मिशन-2026 पर आधारित एक विशेष फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। फिल्म में प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, सीखने की प्रक्रिया और आत्मविश्वास में आए सकारात्मक बदलावों को दशार्या गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

बेटियों के उज्वल भविष्य की मजबूत पहल

मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण बालिकाओं को नई पहचान, अवसर और आत्मविश्वास प्रदान करने का सराहनीय प्रयास है। वहीं पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.के. सहगल ने कहा कि मिशन के माध्यम से छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, जागरूकता और आत्मनिर्भरता का उल्लेखनीय विकास हुआ है।

कार्यक्रम में रेनू सहगल, दिव्यानी लिंडा, पीवीयूएनएल के अधिकारी-कर्मचारी, स्वर्णरेखा महिला समिति की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत प्रभात फेरी एवं कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा (गोहाल) में दिनांक 10 जून 2026 से 26 जून 2026 तक निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

संस्थान के प्राचार्य श्री राजेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के प्रथम चरण में व्याख्याता सह एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट संतोष कुमार एवं व्याख्याता मनोज यादव के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं द्वारा जीवन चुनें, ड्रग्स नहीं के संदेश के साथ स्लोगनयुक्त बैनर एवं पोस्टर लेकर प्रभात फेरी निकाली गई तथा लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दूसरे दिन व्याख्याता अखिलेश कुमार, व्याख्याता मनोज यादव एवं व्याख्याता सह एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी रूपरेखा व्याख्याता मनोज यादव द्वारा तैयार की गई थी। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर व्याख्याता अखिलेश कुमार ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों, बचाव एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही नशे की गिरफ्त में आए युवाओं के जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट संतोष कुमार ने कहा कि नशा युवाओं का आत्मविश्वास, धैर्य, साहस एवं लक्ष्य प्राप्ति की क्षमता को कमजोर कर देता है, जिससे परिवार, समाज एवं राष्ट्र का विकास प्रभावित होता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान के व्याख्यातागण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का 79 वां जन्मदिवस सद्भावना दिवस के रूप में मना

कोडरमा : राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सामाजिक न्याय के योद्धा, अविभाजित बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का 79 वां जन्मदिन सद्भावना दिवस के रूप में 11 जून को झुमरीतिलैया में मनाया गया। लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन पर राजद कार्यकर्ताओ ने कोडरमा स्टेशन के समीप काली मंदिर परिसर में प्यार बांटते चलो अभियान में संयुक्त रूप से शामिल होकर आम अवाम के बीच सेवादारी की।साथ ही आम अवाम के बीच लस्सी-लड्डू व मिठाई का वितरण किया। राजद जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव,नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोहर राम उर्फ बाबू,युवा जिलाध्यक्ष मनोज रजक, महिला जिलाध्यक्ष अमरजीत कौर,नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी, डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी के नेतृत्व में 6 पाउंड का केक काटा गया। राजद जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव ने कहा कि लाखों दलित,आदिवासी अति पिछड़े,पिछड़े,अल्पसंख्यक समाज और सभी वर्गों के गरीबों-असहाय लोगों के अधिकारों के लिए लालू प्रसाद यादव ने जो हुंकार दी है, उसे इतिहास कभी भूला नही सकती है। उन्होंने कहा की लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय की देन है की आज गरीब शान से अपने अधिकारों के लिए किसी भी ताकत के खिलाफ खड़ी हो जाती है।उन्होंने कहा कि कोडरमा में भी लालू जी के सामाजिक न्याय का संघर्ष का नारा और तेजस्वी प्रसाद यादव के आर्थिक न्याय के नारे को सामाजिक क्रांति लाने के लिए राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव लगातार संघर्ष कर रहें है। उन्होंने कोडरमा राजद परिवार और राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव की ओर से पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को जन्मदिन की बधाई दी और दीघार्यु होने की कामना की। वहीं काली मंदिर समिति और प्यार बांटते चलो अभियान से जुड़े लोगों के प्रति आभार जताया।मौके पर वार्ड पार्षद सोनू चन्द्रवंशी,बब्लू पांडेय,मो शमीम उर्फ लड्डू,चुन्नू मंसूरी,ज्ञानरंजन,परवेज अख़्तर,सौरभ यादव, रवि बनर्जी,दीपक यादव,शंकर दयाल यादव,राजेन्द्र यादव,प्रमोद यादव,नीरज कुमार,शंभु पासवान,सुधा रानी, नीरज पासवान,पवन भगत,धीरज शर्मा,वीरेंद्र पासवान,प्रकाश यादव,सचिन यादव,गीता देवी,सोनी देवी,गायत्री देवी,सोनी देवी,मुन्नी देवी,पूजा देवी,गुंजा देवी,सोनी देवी,सुनैना देवी,कुशमी देवी,रेणु देवी,शबनम खातून,रुखसार खातून,मरीना खातून आदि शामिल थे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में आज गुरुवार को चंदवारा प्रखंड के कांटी पंचायत भवन सभागार में झालसा द्वारा चलाए जा रहे जागृति कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं उनके लिए कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत चलाये जा रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार मौजूद थे। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गौतम कुमार ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण करना है।समाज के अंतिम व्यक्ति तक नि:शुल्क एवं सुलभ न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजनों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनानाभी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज मेंवरिष्ठ जनों को उचित सम्मान दिया जाना आवश्यक है ताकिवरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण का लक्ष्य पूरा किया जा सके । उन्होंने कहा कि महिलाओ के अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानून बनाये गए है । इसके अलावे सभी वर्ग के लोगो को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओ का लाभ दिलाने के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा कृतसंकल्पित है । एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर ने कहा कि आम जनो को निशुल्क विधिक सहायता महिला एवं बाल अधिकार वृद्ध जनो के अधिकार, साइबर अपराध नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओ के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाए ताकि उनका सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बाल विवाह व डायन बिसाही जैसी कुरीतियों एक सभ्य समाज के जघन्य अपराध है। मौके पर कांटी पंचायत की मुखिया सरस्वती देवी, मुखिया प्रतिनिधि लखन यादव, पंचायत समिति सदस्य राजू पांडेय,पी एल वी हीरामन रजक, रेखा देवी, सहित सैकड़ो गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दो युवकों पर गिरी आकाशीय बिजली, एक की मौत, दूसरा घायल

रामगढ़ : भदानीनगर ओपी क्षेत्र के सुथरपुर होन्हेटांड़ में गुरुवार दोपहर वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू होने पर होन्हेटांड़ निवासी अर्जुन करमाली और प्रमोद बेदिया तालाब के पास एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों इसकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वज्रपात के दौरान अर्जुन करमाली की जेब में रखा मोबाइल फोन भी फट गया। हादसा इतना गंभीर था कि अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रमोद बेदिया के पैर में गंभीर चोट आई।

ईशान जोशी बने डॉक्टर, जोशी परिवार व क्षेत्र में खुशी की लहर

झुमरीतिलैया : शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी के बड़े पुत्र ईशान जोशी ने एमबीबीएस की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता के साथ अब वे डॉ. ईशान जोशी के नाम से जाने जाएंगे। उनकी इस उपलब्धि से जोशी परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों तथा पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। डॉ. ईशान जोशी की इस सफलता को वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन, लगन और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा के दौरान उन्होंने निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों सहित विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि ईशान की सफलता उसके अथक परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार के संस्कारों का परिणाम है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि डॉ. ईशान जोशी जीवन में निरंतर सफलता, सम्मान और प्रगति प्राप्त करें तथा अपने ज्ञान, योग्यता और सेवा भावना से समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा कर मानवता के कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दें।

एक नजर

विराट सनातनी सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी तेज

हजारीबाग : गिद्दी क्षेत्र में सनातन प्रहरी सेवा दल भारत के तत्वावधान में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी विराट सनातनी सम्मेलन की तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता रोशन कुमार मिश्रा ने की, जबकि संचालन सुभाष कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान संगठन विस्तार, सनातन संस्कृति के संरक्षण और जनजागरण अभियान को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सनातन संस्कृति, गौ संरक्षण, सामाजिक समरसता और धार्मिक जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा और समाज को संगठित करने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। सम्मेलन को सफल और भव्य बनाने के लिए क्षेत्र के सनातनी परिवारों, युवाओं, मातृशक्ति एवं धर्मप्रेमी नागरिकों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापक जनसंपर्क और जनजागरण अभियान के माध्यम से सामाजिक एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना को और मजबूत किया जाएगा।

धरती आबा के विचारों से रूबरू हुए विद्यार्थी

रामगढ़ : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, विचारों, सामाजिक योगदान तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी ऐतिहासिक भूमिका से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों, पदाधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने धरती आबा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बिरसा मुंडा के संघर्षमय जीवन और समाज सुधार के कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। कुलाधिपति बी. एन. साह ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अपने गौरवशाली इतिहास और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों से परिचित कराना भी है। कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि ने अपने संबोधन में कहा कि बिरसा मुंडा उन महान स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल थे जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद ब्रिटिश शासन को चुनौती देकर संघर्ष की नई मिसाल कायम की। वहीं कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल ने उनके योगदान को भारतीय इतिहास का अमूल्य अध्याय बताया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज के नायक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक थे।

एसडीपीओ ने किया बरही चौक का निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने पर जोर

युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह, कहा- प्रशासन हर समस्या में जनता के साथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही (हजारीबाग) : अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर ने बुधवार देर शाम बरही चौक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर हुए अतिक्रमण को हटाने पर जोर देते हुए लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

एसडीपीओ ने कहा कि प्रशासन आम जनता के साथ मिलकर कार्य करना चाहता है। किसी भी प्रकार की समस्या या परेशानी होने पर प्रशासन लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने दुकानदारों और स्थानीय लोगों से यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा अतिक्रमण हटाने में सहयोग करने का आग्रह किया। निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने क्षेत्र के युवाओं से भी संवाद किया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेलकूद और सकारात्मक कार्यों में लगाने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही एक बेहतर, सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर स्थानीय लोग एवं पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद थे।

सीएचसी का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं की ली जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का आकलन करने के उद्देश्य से गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जोहान टुडू ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नितेश भास्कर एवं अंचल अधिकारी (सीओ) संजय कुमार यादव के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, मरीजों के उपचार की व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ ने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल कर्मियों,

जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों तथा इलाज कराने पहुंचे मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पदाधिकारियों ने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया तथा कार्यालय में बैठक कर संबंधित पक्षों से सुझाव और शिकायतें भी सुनीं। स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। एसडीओ जोहान टुडू ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर अस्पताल की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की जांच की गई है। निरीक्षण के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर विस्तृत जांच प्रतिवेदन तैयार कर उपायुक्त को सौंपा जाएगा, ताकि आवश्यक कदम उठाकर स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस दिशा में लगातार निगरानी और मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है।

महुलबना पंचायत में बी बी नेट फाउंडेशन का कार्यशाला आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : महुलबना पंचायत मंडप में बी बी नेट फाउंडेशन रांची और पंचायत के मुखिया सचिव के के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को झारखंड भूमि साक्षरता एवं आदिवासी महिलाओं और भूमि के बीच संबंध को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित किया गया।ये कार्यशाला बुधवार को लावा पंचायत और गुरुवार को महुलबना पंचायत के पंचायत की मुखिया अंजना सिंह की उपस्थिति ने किया गया।जानकारी देते हुए फाउंडेशन के रतिकांत प्रामाणिक ने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं में झारखंड भूमि साक्षरता एवं आदिवासी महिलाओं और भूमि के बीच संबंध को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई बिंदुओं पर चर्चा की गई।इस दौरान बी बी नेट फाउंडेशन रांची के प्रोजेक्ट समन्वयक मुनमुन दे,प्रोग्राम मैनेजर लैंडएसा डॉ हिमाल पोखरेल, पंचायत समन्वयक फेसिलेटर रतिकांत प्रामाणिक, पंचायत समन्वयक अध्या रानी दास, एकाउंटेंट रोहित कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

छात्रों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए 15 से चलेगा हस्ताक्षर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति की कोर कमेटी की बैठक झुमरीतिलैया के बजरंग नगर स्थित अवध्या क्लासेस में संपन्न हुई।अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेश भारती ने किया,जबकि संचालन सचिव देवेंद्र कुमार ने किया। कोर कमेटी ने जे जे कॉलेज समेत कोडरमा जिले के सभी कॉलेजों को वीबीयू से हटाकर जे सी बोस विश्वविद्यालय,गिरिडीह करने के मामले में निर्णय निरस्त होने तक सकारात्मक रुख अपनाने का प्रतिबद्धता जाहिर की। समिति के संरक्षक राम रतन अवध्या ने कहा कि ये लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लड़कर जीती जा सकती है।इसके लिए सबों को जेजे कॉलेज बचाओ अभियान से जुड़ना चाहिए।उन्होंने कहा की समिति लगातार उच्च स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों को मामले को लेकर छात्रों की मांगों से अवगत करा रही है।निश्चित रूप से सबों का प्रयास रंग लाएगी। जिलाध्यक्ष महेश भारती ने कहा कि ये लड़ाई कोडरमा जिले की स्वाभिमान की लड़ाई है, हमें पूर्ण उम्मीद है कि कोडरमा जिले के जनप्रतिनिधि छात्रों के भावनाओ के साथ खिलवाड़ नही करेंगे। उन्होंने जिले के तमाम जनप्रतिनिधियों को जेजे कॉलेज बचाने के लिए दलगत

भावना से ऊपर उठकर एक मंच पर आने का आह्वान किया। कोर कमेटी की बैठक में जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला और इस आंदोलन की मांगों पर महामहिम के सकारात्मक रुख के प्रति आभार जताया। कोर कमेटी ने बताया कि महामहिम ने उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर मांगो से अवगत करा दिया है। अब सरकार और उनके अधिकारियों को छात्रों की मनोदशा और विश्वविद्यायल स्थानांतरण का निर्णय कोडरमा के 18,000 छात्रों के विरुद्ध है, इस बात को प्रत्यक्ष रूप से मिलकर संपूर्ण परिपाटी पर संवाद की जरूरत है।इस कड़ी में कोडरमा जिले के जनप्रतिनिधियों का सकारात्मक पहल हुई तो निश्चित तौर पर सरकार जनभावना व छात्रहित ने बड़ा निर्णय ले सकती है। कोर कमेटी की बैठक में प्रचार प्रसार और मुद्दों को जन जन तक पहुँचाने के लिए पर्चा बांटने,12 जून को अभियान की गतिविधि और आगामी कार्यक्रम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने,13 जून को स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने व समर्थन पत्र जारी करने,15 जून को झंडा चौक पर हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

बच्छई पंचायत में स्वच्छ पेयजल की नई सौगात, 1000 लीटर क्षमता का प्याऊ शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड की बच्छई पंचायत में पंचायत सचिवालय एवं बिरसा उच्च विद्यालय, डुमरी के समीप विद्यार्थियों और ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1000 लीटर क्षमता वाले शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल प्याऊ का उद्घाटन किया गया। प्याऊ का शुभारंभ पंचायत के मुखिया बिरेंद्र रजक, उपमुखिया संजय साव, वार्ड सदस्य सुजीत यादव एवं शोभा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुखिया बीरेंद्र रजक ने बताया कि विद्यालय परिसर और

पंचायत सचिवालय के समीप स्थापित इस प्याऊ से विद्यार्थियों तथा आसपास के ग्रामीणों को वर्षभर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से गर्मी के दिनों में यह व्यवस्था लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। मौके पर वार्ड प्रतिनिधि अंगत यादव, किसुन साव, मोहित राणा, प्रमोद राणा, प्रकाश यादव, समाजसेवी सुखदेव यादव, मनोज यादव, मिन्हाज मेहंदी, गिरधारी रविदास, सीताराम रविदास, गणेश भुइयां, पंचायत सहायक टिंकू कुमार, अमीषा कुमारी, सफदर अंसारी, मुकेश साव, पूरन साव तथा अनिल साव सहित कई लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में मनरेगा से जुड़ी तृषा कुमारी, निशा कुमारी, रिंकू कुमारी, मानिता कुमारी, सुमित्रा देवी, पूनम देवी, कविता देवी, डोली देवी एवं रेखा देवी समेत बड़ी संख्या में महिलाओं की भी सहभागिता रही।

चेकिंग अभियान के दौरान रेलवे एक्ट में 9 व्यक्ति गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा गुरुवार को चेकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान कल 9 व्यक्ति पकड़े गए। इस संबंध में आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा हेतु आरपीएफ कटिबद्ध है। इस हेतु गुरुवार को धनबाद गया इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा गया आसनसोल मेमू एक्सप्रेस में चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें महिला डिब्बे में सफर करने के आरोप में कुल छः व्यक्तियों को पकड़ा गया। वहीं पायदान पर सफर करने के आरोप में तीन व्यक्ति पकड़े गए।पकड़े गए उन सभी लोग व्यक्तियों को रेलवे दंडाधिकारी धनबाद के समक्ष ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। जहां लोगों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में इस प्रकार की गलती न करने की बात कही।पश्चात दंडाधिकारी द्वारा निर्धारित जुमार्ना राशि की वसूली के बाद उक्त सभी नौ लोग मुक्त किए गए।

संक्षिप्त खबरें

सरिया के बरवाडीह में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

सरिया : सरिया प्रखंड क्षेत्र के बरवाडीह पंचायत में लगा 60 केवीए का ट्रांसफार्मर 15 दिन पूर्व जल गया था। जिस कारण वहां के ग्रामीण लालटेन युग में जीने को विवश थे।इस संबंध में झामुमो नेता शत्रुघ्न मंडल ने बताया कि उक्त ट्रांसफार्मर के जलने की सूचना उन्हें मिली थी उन्होंने बिजली विभाग के एसी से मिलकर 100 केवीए का ट्रांसफार्मर मंगवाया। जिसका उद्घाटन गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता फागु पंडित,सरिया प्रखंड के उप प्रमुख रामदेव यादव, विनोद ठाकुर,विक्रम कुमार,पंसस अलीमुद्दीन अंसारी सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।ट्रांसफार्मर के लगने के बाद वह इलाका बिजली की रोशनी से जगमगा उठा। उमस भरी इस भीषण गर्मी में लोग राहत की सांस लिए। लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता कार्यकताओं को इस कार्य के लिए बधाई दी है।इस मौके पर उपभोक्ता मनीर अंसारी,अजमर अंसारी,सलामत अंसारी,आशिफ अंसारी,सुलेमान अंसारी,शाहिद रजा,दाऊद अंसारी,अजीमुल हक,जाबिर अंसारी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

विभावि में ग्रेजुएट अप्रेंटिस की 111 रिक्तियों पर मेधा सूची जारी

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के अंतर्गत ग्रेजुएट अप्रेंटिस की नियुक्ति के लिए प्रथम चक्र की मेधा सूची बुधवार शाम जारी कर दी गई। 111 रिक्तियों के विरुद्ध चयनित अभ्यर्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। NATS के नोडल पदाधिकारी डॉ. इंद्रजीत कुमार ने बताया कि राज्य के विश्वविद्यालयों में विभावि पहला विश्वविद्यालय है जिसने इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति हेतु मेधा सूची जारी की है। इसके अलावा रक्षाशक्ति विश्वविद्यालय ने 4 स्थानों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की है। चयनित आवेदकों को विश्वविद्यालय के संभाग, पुस्तकालय तथा अंगीभूत महाविद्यालयों में पदस्थापित किया गया है। इनके प्रमाण पत्रों का ऑफलाइन सत्यापन 12 से 19 जून तक पदस्थापना केंद्र पर किया जाएगा। इसी अवधि में दस्तावेज सही पाए जाने पर कॉन्ट्रैक्ट जेनरेशन और योगदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 19 जून से प्रशिक्षण/कार्य प्रारंभ हो जाएगा। डॉ. कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय मुख्यालय में चयनित अभ्यर्थियों का सत्यापन प्रशासनिक भवन स्थित नामांकन कोषांग में होगा। महाविद्यालयों के लिए चयनित अभ्यर्थी संबंधित महाविद्यालय में ही सत्यापन और योगदान की प्रक्रिया पूरी करेंगे। निर्धारित समय में प्रक्रिया पूर्ण नहीं करने पर स्थान रिक्त मानकर द्वितीय चक्र की मेधा सूची जारी की जाएगी। इस कार्य के लिए समाज विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. रेणु बोस की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्याण मोइत्रा तथा प्राध्यापक डॉ. अशोक राम सदस्य थे। डॉ. इंद्रजीत कुमार की देखरेख में दीपू कुमार एवं कंप्यूटर जानकारों के सहयोग से कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। इस दौरान राजनीति विज्ञान विभाग में तीन बैठकें भी हुईं। गौरतलब है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को सरकार द्वारा अलग-अलग रिक्तियां आवंटित की गई थीं, जिनके विरुद्ध आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

Deputy Commissioner-cum-District Magistrate, Ramgarh (District Planning Section.)
1st Floor, Block "B", Collectorate Ramgarh, Chatarmandu, Ramgarh- 825101, Jharkhand

REQUEST FOR PROPOSAL
RFP/DPO/RMG/LIB/2026-27/003
"Nayi Disha: Technology-Enabled Inclusive Education in Ramgarh District on Turnkey Basis, Jharkhand

Sl.	Information	Details
1	Name of the Work	Nayi Disha: Setting up Braille Smart Classes (BSCs) in regular schools; providing digital hearing aids; and delivering speech therapy sessions for Children with Special Needs (CWSN) in Ramgarh District, Jharkhand. Terms and condition and other related information can be seen on the office information board or Website www.ramgarh.nic.in.
2	Period of Work	2 Year (*Rates quoted shall remain firm and valid for the entire 2-year contract period*)
3	Date of Publication of Bid on Website	11-06-2026
4	Tender Cost / Document Fee	Rs. 5,000/- (Demand Draft) in favour of District Planning Office, Ramgarh. To be submitted with the Technical Proposal.
5	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 1,48,000/- (DD/BG) in favour of 'District Planning Office, Ramgarh'. Note: Firms registered under MSME Jharkhand / DPIIT are exempted from EMD submission.
6	Pre-Bid Meeting	Date: 15-06-2026 Time: 11:00AM Venue: District Planning Office, Ramgarh
7	Last Date & Time of Receipt of Bid	Date:25-06-2026 Time: 05:00 PM
8	Date & Time of Opening of Bid	Date: 27-06-2026 Time: 11:00 AM
9	Bid Submission Place	District Planning Office, Ramgarh, "B" Block, 1st Floor, Collectorate Ramgarh, Chhattarmandu, Ramgarh – 825101
10	Date, Time & Venue for Technical Presentation & Financial Bid Opening	Date: 27-06-2026 Time: 12:00 PM Venue: Deputy Development Commissioner Office, Ramgarh, "B" Block, 1st Floor, Conference Hall, Chhattarmandu, Ramgarh – 825101

DISCLAIMER: The District Planning Office, Ramgarh shall not be liable for any omission, mistake, or error in respect of this RFP. The Office reserves the right to amend any provision before the date of bid submission. Prospective bidders shall not claim any right against the authorities on account of such changes.

ह0/–
जिला योजना पदाधिकारी,
रामगढ़

PR 382150 (District)26-27*D

नव निर्मित शिव मंदिर में 7 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कॉपोरेटिव कॉलोनी, गोलम्बर, दीपुगढ़ा स्थित नव निर्मित श्री श्री महादेव मंदिर में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 11 जून से 17 जून 2026 तक सप्त दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच आयोजित होने वाला यह महायज्ञ क्षेत्र में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम बनेगा।

स्थानीय श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से निर्मित इस भव्य शिव मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। मंदिर

निर्माण में लोगों की आस्था, समर्पण और सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी परिसर में शनि भगवान मंदिर का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है, जिससे यह स्थान भविष्य में क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक केंद्र बनने जा रहा है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि हजारीबाग शहर में शनि भगवान के मंदिरों की संख्या काफी कम है। इसी आवश्यकता को देखते हुए एक ही परिसर में श्री श्री महादेव मंदिर और शनि भगवान मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को दोनों देवों की आराधना का सौभाग्य एक ही स्थान पर प्राप्त हो सके।

महायज्ञ के दौरान कलश यात्रा, मंडप पूजन, देव स्थापना, प्राण प्रतिष्ठा, महापूजन, आरती, कथा-सत्संग एवं भव्य जागरण सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी धार्मिक अनुष्ठान अशोक जी के निर्देशन में संपन्न होंगे, जबकि प्रख्यात यज्ञाचार्य पंडित देवेंद्र पाठक (सनावद, ओंकारेश्वर, मध्य प्रदेश) के मार्गदर्शन में यज्ञ का संचालन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए 12 जून से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम तक भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुण्य अवसर के सहभागी बनने तथा भगवान महादेव एवं शनि भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

स्थानः श्री श्री महादेव मंदिर एवं शनि भगवान मंदिर परिसर, कॉपोरेटिव कॉलोनी, गोलम्बर, दीपुगढ़ा, हजारीबाग।

जिला खेल पदाधिकारी का कार्यालय, सिमडेगा
(पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य शाखा)
स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बाजारटांड़, सिमडेगा।
Email- sportofficesimdega@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा सिमडेगा के पत्रांक–257 (ii)/सा0शा0, दिनांक–03.06.2026 एवं सरकार के विशेष सचिव महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक– 2007 रॉंची, दिनाक– 27.05.2026 से प्राप्त निदेश के आलोक में भारत सरकार द्वारा बच्चों के विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (MRBP) एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार है, जो छह श्रेणियों में यथा– सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2026) तक के बच्चों द्वारा उक्त क्षेत्रों में उत्कृष्टता एवं उल्लेखनीय योगदान प्रदर्शित के लिए नामांकन किया जाना है।

यह नामांकन/सिफारिश केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) के माध्यम से Online किया जाना है। PMKBI के लिए Online नामांकन/सिफारिश 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ है तथा इसके नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है।

अतः सिमडेगा जिले के 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2026) तक के सभी योग्य बच्चों को सूचित किया जाता है कि उक्त श्रेणी खेल, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में जिन्होंने असाधारण उपलब्धि प्राप्त की हो वे जिला खेल कार्यालय, स्पोर्टस कॉम्पलेक्स बाजारटांड़, सिमडेगा में अर्जित किये गये प्रमाण–पत्र से संबंधित दस्तावेज दिनांक 25.07.2026 तक निश्चित रूप से जमा करेंगे, ताकि नामांकन की सिफारिश Online Platform में दर्ज की जा सकें।

ह0/–
जिला खेल पदाधिकारी,सिमडेगा

PR 382153 (Simdega)26-27*D

आईवीएफः पचास के बाद अभिभावक और बच्चे का भविष्य

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निःस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, आईवीएफ के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है। बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी। यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता। किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है। इसी अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं। यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है। विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं। कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है। बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। आईवीएफ उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं। अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं। इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है। आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है। यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है।

मोदी सरकार के 12 साल और डिजिटल बुनियादी ढांचे का विकास

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

बिजली ग्रिड, बंदरगाह और राजमार्ग अब बुनियादी ढांचे के एकमात्र घटक नहीं रह गए हैं। यह डिजिटल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा मूलभूत डिजिटल प्रणालियों का एक संग्रह है जो समकालीन समाजों की नींव के रूप में कार्य करता है। इन प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यक्तियों, कंपनियों और सरकारों के बीच सुरक्षित और आसान संचार संभव हो जाता है। डिजिटल बुनियादी ढांचा सुरक्षित डेटा ट्रांसमिशन, शीघ्र डिजिटल भुगतान, पहचान सत्यापन और बैंक खाता खोलने की सुविधा प्रदान करके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। समकालीन अर्थव्यवस्था में, डिजिटल बुनियादी ढांचा अब यह नियंत्रित करता है कि सेवाओं, बाजारों और अधिकारों तक किसकी पहुंच है, ठीक उसी तरह जैसे पहले रेलमार्ग क्षेत्रों को अवसरों से जोड़ते थे।

भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा रातोंरात नहीं बना। मोदी प्रशासन ने प्रौद्योगिकी के प्रति मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का समर्थन करने और ₹सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, वित्तीय समावेशन और प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास₹ सहित संबंधित विषयों में अधिक ज्ञान साझाकरण को प्रोत्साहित करने का दावा किया। पहचान, बैंकिंग और संपर्क को जानबूझकर एक साथ लाया गया ताकि इसकी नींव रखी जा सके। इसी तालमेल के परिणामस्वरूप डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (जेएएम) का उदय हुआ। जनधन बैंक खातों, आधार नामांकन और मोबाइल फोन के व्यापक उपयोग ने भारत के डिजिटल परिवर्तन की नींव रखी। जब इन्हें एकीकृत किया गया, तो इन्होंने लोगों और राज्य के बीच सीधा और सत्यापित संबंध स्थापित किया। कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान सीधे जेएएम के माध्यम से बैंक खातों में आने लगा। बिचौलियों की संख्या कम हो गई। देरी कम हुई। धन की बर्बादी कम हुई।

इस एकीकरण के दायरे ने व्यापक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की नींव रखी। जनसंख्या-स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना क्या हासिल कर सकती है, इसका एक व्यावहारिक उदाहरण भारत के अनुभव से मिलता है। बहुत कम खर्च में, भारत ने 1.4 अरब से अधिक लोगों के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है। यह एक ऐसा नेटवर्क है जो खुला, सुलभ है और विभिन्न प्रकार के ऐप्स द्वारा समर्थित है जो अर्थव्यवस्था को अद्यतन करते हैं, शासन कार्य में बदलाव लाते हैं और लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हैं।

भारत में डीपीआई पारिस्थितिकी तंत्र विश्वास, नवाचार और समावेशिता के सिद्धांतों पर संचालित होता है। भारत ने दिखाया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म जनसंख्या के आकार के हिसाब से विकास को गति दे सकते हैं और लोकतंत्र को मजबूत कर सकते हैं, जिसके परिणाम मात्रात्मक रूप से देखे जा सकते हैं। जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था कार्य समूह, आर्थिक परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और विकास के लिए डीपीआई पर गठित नए उच्च-स्तरीय कार्य बल और कई जी20 सहभागिता समूहों की सहायता से, भारत, 2023 में जी20 के नेता के रूप में, वैश्विक उत्तर और दक्षिण के देशों के बीच डीपीआई के बारे में असाधारण स्तर की जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रहा है। डीपीआई मॉडल को वर्तमान में विकास के विभिन्न चरणों में स्थित देशों द्वारा खोजा, अपनाया या संशोधित किया जा रहा है और यह वैश्विक स्तर पर भारत की एक प्रमुख पेशकश के रूप में उभरा है। भारत स्टैक की नवोन्मेषी तकनीक के बदौलत, भारत तीनों मूलभूत डीपीआई - डेटा सशक्तिकरण और संरक्षण (डीईपीए), एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और आधार विशिष्ट पहचान - का निर्माण करने वाला पहला देश बन गया।

डीपीआई रणनीति को विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समेत संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बडा समर्थन प्राप्त हुआ है।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने डीपीआई को प्रत्यक्ष लाभ स्थानान्तरण की सुविधा के लिए और कोविड -19 महामारी के दौरान भारत के गरीब परिवारों की 87% की मदद करने के लिए प्रशंसा की और भारत के डीपीआई मॉडल ने वैश्विक स्तर पर राष्ट्रों के लिए महत्वपूर्ण सबक पेश किए हैं। एक विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि डीपीआई ने पिछले छह वर्षों में 80% वित्तीय समावेशन तक पहुंचने में भारत की सहायता की है, एक उपलब्धि जो 50 साल अन्यथा ले सकती है।

चूंकि सरकार ने बैंक खातों तक पहुंच का विस्तार किया, भारत की तेजी से आगे बढ़ने वाली फिनटेक कंपनियों ने डिजिटल वॉलेट और मोबाइल मनी सॉल्यूशंस को रोल करना शुरू कर दिया। इन प्रगति ने बैंक खातों के बिना व्यक्तियों के लिए भी डिजिटल मनी स्टोरेज और ट्रांसफर की लागत को सरल और कम कर दिया। जवाब में, अधिकारियों ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) बनाकर एक नवाचार लागू किया, जिसने बैंकों को गैर बैंक इकाइयों के साथ भुगतान निदेशों को संवाद और संसाधित करने की अनुमति दी। यह पहल भारत स्टैक की दूसरी परत बन गई। नई प्रणाली डिजिटल वॉलेट के माध्यम से अपने सामान या सेवाओं के लिए भुगतान प्राप्त करने के लिए बैंक खातों के बिना सड़क विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को अनुमति देती है। वे जल्दी से दूसरों को पैसे भेज सकते हैं- जैसे कि दूर के गांव में एक रिश्तेदार। इसके विपरीत, कई विकासशील देशों में इसी तरह के स्थानान्तरण में दिन या सप्ताह लग सकते हैं, अक्सर दूर-दूर बैंक की यात्रा की आवश्यकता होती है और पर्याप्त स्थानांतरण शुल्क खर्च होता है।

मार्च 2026 तक 1.44 अरब से अधिक आधार संख्याएं जारी की गईं, जिससे दैनिक जीवन में गहरी एकीकरण का प्रदर्शन किया गया। वित्तीय वर्ष में 2024-25 में, 27.07 अरब से अधिक प्रमाणीकरण लेनदेन थे। जनधन खातों की संख्या 2015 में 147.2 मिलियन से बढ़कर 2026 तक 577.1 मिलियन हो गई। मार्च 2015 में जमा 156.7 बिलियन से बढ़कर 20 मार्च तक 29.4 ट्रिलियन हो गया। लाभार्थियों को कुल मिला 39 9.8 मिलियन रुपे डेबिट कार्ड, वित्तीय समावेश का विस्तार।

यूपीआई प्रणाली ने खुदरा भुगतान में क्रांतिकारी बदलाव किया, उपयोगकताओं और व्यापारियों के बीच तात्कालिक, सुरक्षित और अंतःक्रियाशील लेनदेन की सुविधा प्रदान की। जनवरी 2026 में, यूपीआई ने 21.7 अरब लेनदेन की गणना की, जो 28.33 ट्रिलियन से अधिक हो गई, जो वाणिज्य में अपनी अभिन्न भूमिका का प्रदर्शन करती थी। मंच पर सक्रिय 691 बैंकों के साथ, यूपीआई ने व्यापक संस्थागत समर्थन प्राप्त किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यूपीआई को जून 2025 की रिपोर्ट में बढ़ती डिजिटल खुदरा भुगतान पर लेनदेन की मात्रा के रूप में मान्यता दी। दिसंबर 2014 में शुरू की गई, यूपीआई को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजना के तहत भुगतान, लेखा, और रिपोर्टिंग के लिए स्थापित किया गया था, जो प्रभावी रूप से डुप्लिकेट और धोखाधड़ी लाभार्थियों को प्रभावी ढंग से समाप्त कर रहा था और रिसाव को कम कर देता था। नतीजतन, सरकार 2015 और मार्च 2024 के बीच ? 4.31 ट्रिलियन से अधिक बचाया गया। जनवरी 2026 तक, डीबीटी के माध्यम से कुल हस्तांतरित ? 49.0 9 ट्रिलियन को पार किया गया, लक्षित और उत्तरदायी कल्याण वितरण की ओर एक संक्रमण को चिह्नित किया गया।

सरकारी ई-मार्केटप्लेसः नवंबर 2025 तक लगभग 3.27 करोड़ ऑर्डर प्रोसेस किए गए, जिससे कुल सकल व्यापार मूल्य ?16.41 लाख करोड़ से अधिक हो गया–जिसमें सेवाओं से ?7.94 लाख करोड़ और उत्पादों से ?8.47 लाख करोड़ शामिल हैं। इस प्लेटफॉर्म पर 10,894 से अधिक उत्पाद श्रेणियां और 348 सेवा श्रेणियां हैं, जिनमें 1.67 लाख से अधिक खरीदार संगठन पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त, 24 लाख से अधिक विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं ने अपनी प्रोफाइल पूरी कर ली है, जिनमें 11 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यम शामिल हैं, जो कुल ऑर्डर मूल्य का 44.8 प्रतिशत यानी ?7.35 लाख करोड़ से अधिक का योगदान करते हैं।

ई-संजीवनीः नवंबर 2019 में लॉन्च होने के बाद से, ई-संजीवनी ने टेलीमेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है, जिससे डॉक्टरों और मरीजों के बीच दूरस्थ परामर्श की सुविधा मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले क्षेत्रों में। यह प्लेटफॉर्म दूरस्थ समुदायों को विशेषज्ञ सलाह प्रदान करते हुए यात्रा खर्च और प्रतीक्षा समय को कम करता है। 5 मार्च 2026 तक, इसने 45.42 करोड़ रोगियों को सेवा प्रदान की है और 2.3 लाख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को अपने साथ जोड़ा है। टेलीकंसल्टेशन एक पायलट पहल से एक मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में परिवर्तित हो गया है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के साथ भारत का अनुभव डिजिटल युग में विकास और शासन के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है।

वित्तीय समावेशन और पहचान तक पहुंच के लिए एक प्रयास के रूप में जो शुरू हुआ था, वह आर्थिक गतिविधियों, सार्वजनिक सेवा वितरण और संस्थागत विकास के लिए आवश्यक एक मजबूत, अंतर संचालनीय ढांचे में विकसित हो गया। यह मॉडल दर्शाता है कि विस्तार करने से विश्वास कम नहीं होता है और सुरक्षा और विनियमन के साथ-साथ पारदर्शिता भी बनाए रखी जा सकती है।

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष : राष्ट्रधर्म रक्षणार्थ सर्वस्व अर्पण करने वाले मेवाड़ी शौर्य को नमन

कौशल मूंदड़ा

18 जून 1576 को खमणोर-हल्दीघाटी की धरती पर लड़ा गया युद्ध केवल दो सेनाओं का संघर्ष नहीं था बल्कि स्वाधीनता, स्वाभिमान, धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ी गई एक युगांतकारी लड़ाई थी। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ के गुहिलोत-सिसोदिया के अलावा झाला, चौहान, राठौड़, सोलंकी, पंवार आदि क्षत्रियों के साथ भीलों, ब्राह्मणों, कायस्थों तथा विभिन्न छत्तीस समाजों के रणबांकुरों ने अद्वितीय साहस, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा का परिचय दिया। इसलिए मेवाड़ के गुहिलोतों को कवि नाथूसिंह महियारिया ने गरूड़वन्ता गहलौतिया कह कर सम्बोधित किया। झाला बीदा के आत्म बलिदान से लेकर राजा रामशाह तंवर और उनके पुत्रों की वीरगति, हकीम खां सूर की निष्ठा, भामाशाह-ताराचंद के समर्पण, हाथी रामप्रसाद की स्वामी भक्ति तथा चेतक के अतुलनीय त्याग तक, यह युद्ध असंख्य अमर गाथाओं से आलोकित है। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की हल्दीघाटी विजय के 450वें वर्ष पर उन सभी ज्ञात-अज्ञात वीरों को स्मरण करना मेवाड़ ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्र का कर्तव्य है, जिन्होंने अपने रक्त से स्वाधीनता और अस्मिता के इस गौरवशाली अध्याय को अमर बना दिया।

महाराणा प्रताप की सेना में ग्वालियर के राजा रामशाह तंवर अपने पुत्रों- शालिवाहन, भवानी सिंह तथा प्रताप सिंह और पौत्र बलभद्र साहि, भामाशाह और उसका भाई ताराचन्द कावड़िया, राजराणा झाला बीदा बिच्छीवाड़ा, झाला मानसिंह देलवाड़ा, सोनगरा मानसिंह अखयराजोत, डोडिया भीमसिंह सरदारगढ़, रावत किसनदास चूण्डावत सलूम्बर, रावत नेतसिंह सारंगदेवोत बम्बोरा, रावत सांगा चूण्डावत देवगढ़, राठौड़ रामदास मेड़तिया बदनोर, पानरवा का रावत पूंजा, पुरोहित गोपीनाथ, पुरोहित जगन्नाथ, पड़िहार कल्याण, बच्छावत महता जयमल, खेतावत महता रत्नचन्द, महासानी जगन्नाथ, राठौड़ शंकरदास, मेरपुर का रावत पूँजा (जूड़ा नाहेसर परगने के मेरपुर के भीलों का मुखिया), चारण जेसा और केशव आदि वीर सेनानायक थे। वहीं, चंदावल में महाराज कुमार अमर सिंह, मेवाड़ का भाणेज तथा रामशाह तंवर का पौत्र बलभद्र भी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त हकीम खां सूर भी मुगलों से लड़ने के लिए महाराणा की सेना में सम्मिलित हुआ।

उदयपुर से हल्दीघाटी मार्ग पर पहले आने वाले लोसिंग गांव से आगे बढ़कर सेनाएं मान सिंह की गतिविधियों पर नजर गढ़ाए हुए थीं, मान सिंह की सेना के तीन कोस की दूरी पर महाराणा प्रताप ने अपना सैन्य शिविर लगाया और शत्रु की प्रत्येक गतिविधि पर नजर बनाए रखी।

जब अकबर ने आम्बेर के मान सिंह के नेतृत्व में दस हजार घुड़सवार और पांच हजार पैदल सैनिकों को मेवाड़ पर भेजा, तो उसने जून, 1576 ई. के तीसरे सप्ताह में मोलेला ग्राम (नाथद्वारा-हल्दीघाटी मार्ग) के पास पहुंच कर बनास नदी के उत्तरी किनारे पर मुगल सैन्य शिविर स्थापित करते हुए युद्ध की तैयारी शुरू कर दी।

झाला बीदा और उनका पराक्रम-17 जून, 1576 ईस्वी को मध्याह्न के बाद मान सिंह लगभग एक हजार सैनिकों के साथ अगले दिन युद्ध की व्यूह रचना के लिए क्षेत्र का सर्वेक्षण करने हल्दीघाटी की पहाड़ियों में आखेट के बहाने निकला। संयोग से उस समय महाराणा प्रताप, झाला बीदा और हकीम खां सूर भी, अगले दिन के युद्ध की व्यूह रचना के लिए उन्हीं पहाड़ियों में मौजूद थे। मान सिंह और उनके सैनिकों को उनका आभास नहीं हुआ, लेकिन ये लोग महाराणा प्रताप, झाला बीदा और हकीम खां सूर के घेरे में आ गए थे।

इस स्वतःस्फूर्त सुअवसर को भांप कर हकीम खां सूर ने महाराणा प्रताप से कहा कि परिस्थितियां अनुकूल हैं, हमें घात कर आमेर के मान सिंह का इसी समय काम तमाम कर देना चाहिए। इस पर महाराणा प्रताप कुछ बोले, उसके पहले ही सहज भाव से झाला बीदा ने यह कहा कि हकीम खां, आप सही कह रहे हैं। युद्ध नीति के अनुसार यह अवसर अनुकूल है, किन्तु हम क्षत्रिय हैं और क्षत्रिय कभी भी अपने दुश्मन पर छल से या पीछे से घात नहीं करता है। परिणाम जो भी होगा, कल युद्ध क्षेत्र में ही देखा जाएगा। महाराणा प्रताप ने झाला बीदा के कहने पर इस बात को स्वीकार कर लिया। इस प्रकार संयोग से अनजाने में ही सही झाला बीदा द्वारा रोकने के कारण आमेर के मान सिंह को नया जीवन मिल गया।

तैं सिर छत्र पुल घड़ी, रखियौ झाला राज।
छत्र छांया अमर करी, हिंदू धर्म पर आज।।

कवि नाथू सिंह महियारिया लिखते हैं कि हे झाला राजा/सरदार, तुमने अपने सिर पर मेवाड़ का राज छत्र धारण कर एक पुलिया बनाई अर्थात संकट के समय राज्य की रक्षा का भार अपने ऊपर लिया। तुम्हारी इस बलिदानी और गौरवपूर्ण छत्र-छाया ने आज हिंदू धर्म को अमर कर दिया।

झाला बीदा ने 18 जून, 1576 ईस्वी को हल्दीघाटी के समरांङ्गण में महाराणा प्रताप को मुगल सेना द्वारा चारों तरफ से घेर लिये जाने के बाद प्रताप के जीवन की रक्षा के निमित्त, स्वयं के जीवन को खतरे में डालते हुए, महाराणा प्रताप को युद्ध क्षेत्र से बाहर निकलने के लिए बाध्य किया। उसके बाद झाला बीदा ने समरांङ्गण में युद्ध करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

तंवरों की दो पीढ़ियों का बलिदान–राजा मान सिंह तंवर के पौत्र राम सिंह (रामशाह) तंवर ग्वालियर के अंतिम राजपूत राजा थे। अकबर के ग्वालियर पर आक्रमण में रामशाह को पराजय देखनी पड़ी और उन्हें ग्वालियर छोड़ना पड़ा। इससे पूर्व महाराणा सांगा के काल में तंवर मेवाड़ के ध्वज तले उपस्थित थे। अकबर से हार कर तंवरों ने मेवाड़ में शरण ली। रामशाह तंवर की वीरता के कारण उदय सिंह ने उन्हें शाहों का शाह की उपाधि दी और अपनी एक बेटी का विवाह रामशाह के पुत्र शालिवाहन सिंह तंवर से किया। हल्दीघाटी की लड़ाई में रामशाह के खिलाफ लड़ने वाले मुगल इतिहासकार अब्द अल-कादिर बदायूंनी ने अपनी पुस्तक मुन्तखाब-उत-तवारीख में उनकी प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा है, मैंने देखा कि योद्धा दाहिनी ओर हाथियों के युद्ध को छोड़कर मुगल सेना के मुख्य भाग तक पहुंच गया और वहां भयंकर नरसंहार किया। ग्वालियर के प्रसिद्ध राजा मान सिंह के पोते रामशाह, जो हमेशा राणा के हरावल (अग्र पंक्ति) में रहते थे, ने ऐसा शौर्य दिखाया जो शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। उनके शक्तिशाली हमले के कारण हरावल के बाईं ओर मानसिंह कछवाहा को भागकर दाहिनी ओर के सैयदों की शरण लेनी पड़ी, जिसके कारण आसफ खान भी भाग गया। यदि उस समय सैयद लोग न बचते, तो हरावल (अग्र पंक्ति) की भागती हुई सेना ऐसी स्थिति पैदा कर देती कि हमें शर्मनाक हार का सामना करना पड़ता।

वहीं, अकबर के दरबारी लेखक अबुल फजल जिन्होंने अकबरनामा लिखा था, ने लिखा था, ये दोनों रामशाह और शालिवाहन युद्ध के मित्र और जीवन के शत्रु थे, जिन्होंने जीवन को सस्ता और सम्मान को महंगा बना दिया था। वीरतापूर्वक लड़ते हुए रामशाह तीन पुत्र शालिवाहन सिंह, भवानी सिंह, प्रताप सिंह और उनके 300 तंवर अनुयायी शहीद हो गए। उनकी वीरता और भक्ति के कारण, महाराणा करण सिंह (महाराणा प्रताप के पोते) ने रक्त तलाई में रामशाह तोमर और शालिवाहन सिंह तोमर के लिए दो छतरियां (स्मारक) बनवाईं।

सूडोकु नवताल- 7823

✱✱✱✱✲ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7822 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मर्यादा

अजय कुमार

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में ₹370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज है, जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज, लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई, वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं, दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया।

विवाद केवल यहीं नहीं थमा; इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में 'डेड बॉडी' के प्राइवेट पार्ट्स पर मजाक बनाने की बात गर्व से कबूल की, जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं, बल्कि उस 'क्राउडवर्क' फॉर्मेट की देन है, जहाँ बिना स्क्रिप्ट, बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेजी से व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है, वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा 'शॉक वैल्यू' और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा, अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा, रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे, तो वह सामाजिक मयार्दाओं को ताक पर रख देता है।

अभिनेत्री रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूं है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था, तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था, जो उठकर इसका विरोध करता? सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है और यही इस डिजिटल इकॉनॉमी का सबसे खतरनाक पहलू है। जब हास्य का पैमाना केवल भीड़ का ठहाका बन जाए, तो वह कला नहीं, बल्कि एक अनियंत्रित तमाशा बन जाती है। यदि हम पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों और इतिहास पर नजर डालें, तो स्टैंडअप कॉमेडी का यह भटकाव हर दिशा में फैला है, चाहे वह धर्म हो, देश की सुरक्षा एजेंसियां हों, सेना हो या फिर लोक संस्कृति। साल 2021 में मुनव्वर फारुकी को इंदौर में हिंदू देवी-देवताओं और गृह मंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी के आरोप में करीब एक महीना जेल में बिताना पड़ा था। इसके बाद 2023 में भारतीय मूल की अमेरिकी कॉमेडियन जरना गर्ग का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने '19,000 हिंदू देवी-देवताओं' का मजाक उड़ाया, जिसके खिलाफ देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला और कई राज्यों में एफआईआर की मांग की गई। साल 2024 में पुनः मुनव्वर फारुकी को मुंबई के एक शो में कोंकणी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए लिखित माफी मांगनी पड़ी। वर्ष 2025 में यह विवाद चरम पर पहुंच गया, जब महाराष्ट्र में महज दो महीनों के दौरान कुणाल कामरा, समय रैना और प्रणीत मोरे पर अलग-अलग मामलों में गंभीर एफआईआर दर्ज हुईं। कुणाल कामरा द्वारा राजनीतिक नेतृत्व पर किए गए कटाक्ष के बाद मुंबई के हैबिटेट क्लब में तोड़फोड़ हुई और बीएमसी की कार्रवाई झेलनी पड़ी।

इसी तरह अतीत में तन्मय भट्ट द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर का मजाक उड़ाने पर भारी कानूनी और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा था, जबकि आंध्र प्रदेश में कॉमेडियन अनुदीप को अभिनेता व नेता पवन कल्याण पर की गई टिप्पणी के कारण पुलिस हिरासत में जाना पड़ा।

यह पूरा परिदृश्य दिखाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एकतरफा ढाल तैयार की जा रही है। जब राजनेताओं, पुलिसकर्मियों या सेना के जवानों पर व्यंग्य किया जाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार का नाम दिया जाता है, लेकिन जब इसी स्वतंत्रता का उपयोग किसी मृत देह के अपमान, किसी समुदाय की अस्मिता को ठेस पहुँचाने या महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, तब इसे किस श्रेणी में रखा जाएगा? देश में हर साल हजारों स्टैंडअप शो होते हैं और इनके वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर करोड़ों की कमाई करते हैं। इस विशाल बाजार की अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। एक जीवंत लोकतंत्र में सत्ता, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा कटाक्ष होना अनिवार्य है और भारत में ऐसे बेहतरीन कलाकार हैं, जो मयार्दा में रहकर यह काम करते हैं। परंतु जब पूरी इंडस्ट्री को एक ही तराजू में तौला जाता है, तो नुकसान उन वास्तविक कलाकारों का होता है, जो कला की समझ रखते हैं। प्रणीत मोरे का यह कहना कि 'वह इंसान हैं और सीख रहे हैं', एक पेशेवर मंच पर अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। यदि वीडियो को एडिट कर, उस पर आकर्षक टैग लगाकर जानबूझकर वायरल किया गया, तो कॉमेडियन इस प्रकरण में बराबर का भागीदार है। हास्य का मूल उद्देश्य समाज को आईना दिखाना और तनाव कम करना होता है, न कि किसी की गरिमा को कुचलना। सरकार या अदालतें कानून बनाकर मंच पर सेंसरशिप लागू नहीं कर सकतीं और न ही यह एक स्वस्थ समाज के लिए सही होगा।

दैनिक पंचांग

12 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

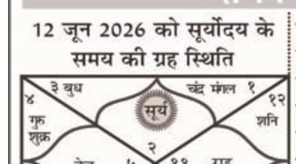

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	मेष में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.31 बजे से
कर्क	07.44 बजे से
सिंह	10.01 बजे से
कन्या	12.12 बजे से
तुला	14.23 बजे से
वृश्चिक	16.38 ब.से
धनु	18.54 बजे से
मकर	20.59 बजे से
कुंभ	22.45 बजे से
मीन	00.18 बजे से
मेष	01.49 बजे से
वृष	03.29 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 163 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 19.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 06.29 बजे तदनन्तर भरणी 04.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.26 बजे को समाप्त।
करण कौलव 09.11 बजे तदनन्तर तैतिल 19.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 08'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872738
जूलियन दिन 2461203.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक

रात का चौघड़िया		
रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
काल	07.11 से	08.43 बजे तक
लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.51 से	04.23 बजे तक
रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

93 विद्यालयों ने ही पोर्टल पर अपलोड किया पुस्तक उठाव व वितरण का डाटा

साहिबगंज : जिले के मंडरो प्रखंड में झारखंड शिक्षा परियोजना के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) मो. एहसान अहमद ने प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को पुस्तक उठाव व वितरण से संबंधित डाटा शीघ्र ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों द्वारा अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार केवल 93 विद्यालयों ने ही पुस्तक उठाव एवं वितरण का डाटा पोर्टल पर अपलोड किया है। बीपीओ ने कहा कि राज्य स्तर से लगातार इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। ऐसे में जिन विद्यालयों ने अबतक डाटा अपलोड नहीं किया है, वे इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को वितरित की गई पुस्तकों का अद्यतन विवरण ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य है।

पैर फिसल कर गिरने से अधेड़ घायल

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के सूतियालपाड़ा गांव में गुरुवार को नहाने के दौरान पैर फिसल कर गिर जाने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार राजेश कुमार (50) रोजाना की तरह नहाने के लिए घर के पास कुआं में नहाने गया तभी किसी तरह उसका पैर फिसल गया और गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। वहीं ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

70वीं संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट के दूसरे दिन तकनीकी कौशल की हुई परीक्षा

साहिबगंज: जिला पुलिस केंद्र में तीन दिवसीय '70वीं संथाल परगना क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट 2026' का दूसरा दिन था। यह कार्यक्रम 12 जून 2026 तक चलेगा, जिसमें संथाल परगना प्रमंडल के विभिन्न जिलों (दुमका, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, देवघर और साहेबगंज) के पुलिस पदाधिकारी और जवान अपनी पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन कर रहे है। जग दूसरे दिन आयोजित प्रतियोगिताएं में प्रतिभागियों के तकनीकी कौशल को परखने के लिए मुख्य रूप से तीन विषयों पर परीक्षाओं का आयोजन किया गया। फिंगरप्रिंट: इसके अंतर्गत फिंगरप्रिंट से संबंधित प्रैक्टिकल और 'ओरल' (मौखिक) परीक्षा ली गई, जिसमें अपराधियों की पहचान हेतु उंगलियों के निशान जुटाने और उनके विश्लेषण की क्षमता को जांचा गया। मेडिको लीगल: चिकित्सा-कानूनी पहलुओं और उनसे जुड़े साक्ष्यों की समझ पर आधारित परीक्षा आयोजित की गई। क्राइम सीन फोटोग्राफी: डॉक्युमेंटेशन और फोटोग्राफी के कौशल का आंकलन किया गया,अपराध स्थल की सटीक। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि बदलते अपराधों के दौर में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को नई तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान में दक्ष होना अनिवार्य है। यह मीट पुलिस बल को आधुनिक टूल्स सीखने और एक-दूसरे के अनुभवों से लाभान्वित होने का मंच प्रदान करती है। कल की प्रतियोगिताओं में डिजिटल कौशल और साइबर दक्षता सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर परीक्षण किए जाएंगे। 12 जून को समापन समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न जिलों से आए पुलिस पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, निरीक्षक, थाना प्रभारी, और पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक मध्याह्न भोजन एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा मध्याह्न भोजन योजना के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग एवं मध्याह्न भोजन योजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रखंडवार प्रथम कक्षा के उन विद्यार्थियों की जानकारी प्राप्त की जिनका आधार कार्ड अब तक नहीं बन पाया है। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे सभी बच्चों का आधार नामांकन प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, उनकी उपस्थिति का नियमित सत्यापन कर ई-विद्यावाहिनी एप पर अद्यतन किया जाए। उपायुक्त ने रसोइयों के लंबित मानदेय भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। विद्यालयों में जर्जर अथवा क्षतिग्रस्त किचन शेड की पहचान कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को भी कहा, ताकि आवश्यक मरम्मत एवं निर्माण कार्य समय पर सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में खाद्यान्न उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी प्रखंडों को एक सप्ताह के भीतर चावल उठाव की प्रक्रिया पूर्ण करने तथा मई माह की प्रखंड स्तरीय स्टीयरिंग समिति की रिपोर्ट अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीपीओ, बीआरपी एवं सीआरपी को नियमित विद्यालय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के लिए एक मानक प्रपत्र तैयार किया जाए, जिसके माध्यम से विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, स्वच्छता, हरित वातावरण, खेल मैदान, आईसीटी लैब के उपयोग, शिक्षण कार्य की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का समुचित मूल्यांकन किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक विद्यालय में स्वच्छ एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं भी प्राप्त हों। बैठक में मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भोजन की गुणवत्ता एवं नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को पौष्टिक एवं प्रोटीनयुक्त भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को मजबूती मिल सके। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी रणनीति अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों में बच्चों की नियमित भागीदारी ही एक सशक्त एवं जागरूक समाज की नींव है। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, एडीपीओ, एपीओ, बीईईओ, बीपीओ, बीआरपी एवं सीआरपी समेत अन्य उपस्थित थे।

विधायक सरयू राय ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने गुरुवार को जन शिकायतों के आधार पर सोनारी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा कर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सबसे पहले उन्होंने सोनारी के कुम्हारपाड़ा में नगर विकास विभाग की ओर से निर्मित सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण में कई तकनीकी और गुणवत्ता संबंधी कमियां सामने आईं, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। सरयू राय ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल खामियों को दूर करने और निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद विधायक पुराना सोनारी पहुंचे, जहां विधायक निधि से निर्मित हो रही सड़क का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया। स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। निरीक्षण के क्रम में सरयू राय आदर्श नगर फोर्थ फेज के सामने पहुंचे, जहां नगर विकास विभाग की ओर से नाली निर्माण के लिए गड्ढा खोदकर काम अधूरा छोड़ दिया गया था। स्थल की स्थिति देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि रुके हुए कार्यों को जल्द शुरू कराया जाए। साथ ही जहां भी निर्माण कार्यों में अनियमितता या लापरवाही हुई है, उसे तत्काल सुधारने की कार्रवाई की जाए। सरयू राय ने कहा कि जनता से प्राप्त शिकायतों और सूचनाओं के आधार पर वे लगातार विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विकास कार्यों की निगरानी करते रहेंगे।

पाकुड़ के 18 स्कूलों में शिक्षकों ने पूरे माह नहीं दी बायोमेट्रिक हाजिरी, वेतन रोका गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले की शिक्षा व्यवस्था में बड़ी लापरवाही सामने आई है। समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक में खुलासा हुआ कि जिले के 18 विद्यालयों के शिक्षकों ने पूरे महीने एक भी दिन बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं की। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने संबंधित शिक्षकों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया। समीक्षा में पाया गया कि 189 विद्यालयों ने ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर पूरे माह छात्रों की उपस्थिति एक दिन भी दर्ज नहीं की, जबकि 47 विद्यालयों में केवल एक दिन ही हाजिरी अंकित की गई। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उपायुक्त ने इन विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन भी रोकने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही, अनुशासन और नियमित उपस्थिति से कोई समझौता नहीं होगा। बैठक में कक्षा आठवीं बोर्ड परीक्षा-2026 के परिणाम और अन्य शैक्षणिक सूचकों का मूल्यांकन किया गया। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के दसवीं बोर्ड परीक्षा-2026 के परिणाम अपेक्षा से कम रहने पर उपायुक्त ने चिंता जताई। उन्होंने 2027 में बेहतर परिणाम के लिए ठोस रणनीति तैयार करने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि सुधारने के निर्देश दिए। व्यावसायिक विकास प्रशिक्षक कार्यक्रम के तहत मोबाइल आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण से 51 शिक्षक अब तक नहीं जुड़े हैं। उपायुक्त ने सभी को अविलंब प्रशिक्षण पूरा करने को कहा। वहीं एफएलएन चैंपियनशिप में पाकुड़ की 18वीं रैंक पर उन्होंने नवाचार आधारित शिक्षण और सतत निगरानी से जिले को शीर्ष पर लाने पर जोर दिया। स्कूल सर्टिफिकेशन में जिले को अब तक सिर्फ सिल्वर और ब्रॉन्ज श्रेणी मिली है। कोई भी विद्यालय गोल्ड श्रेणी हासिल नहीं कर पाया है। उपायुक्त ने संभावनाशील स्कूलों की पहचान कर गोल्ड श्रेणी के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। पीएम श्री योजना की समीक्षा में उपायुक्त ने पुस्तकालय सुविधाओं के विस्तार और पठन-पाठन की संस्कृति विकसित करने को कहा। आईसीटी लैब वाले स्कूलों में शिक्षकों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने और तकनीक आधारित शिक्षण को प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित उपस्थिति, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट परिणाम ही जिले के शैक्षणिक विकास की नींव हैं।

संयुक्त प्रवर्तन दल ने राजमहल प्रखंड में उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण, उर्वरक नमूने संग्रहित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त के निर्देशानुसार उर्वरक दुकानों की जांच हेतु गठित संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा राजमहल प्रखंड स्थित तारा फर्टिलाइजर एवं विकास कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक, दर सूची, स्टॉक पंजी, बिक्री पंजी, गोदाम तथा पीओएस मशीन के अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया। साथ ही गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। जांच टीम ने दुकानदारों को प्रतिदिन उर्वरकों की दर सूची एवं स्टॉक की अद्यतन स्थिति दुकान के बाहर प्रदर्शित करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि उर्वरकों की बिक्री केवल किसानों को ही की जाए। टीम द्वारा उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी तथा गैर-कृषि कार्यों में उपयोग पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दुकानदारों को सरकार द्वारा अधिकृत थोक विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करने का निर्देश भी दिया गया।निरीक्षण के क्रम में दुकानों में उपलब्ध कीटनाशकों (पेस्टीसाइड) की भी जांच की गई। इस दौरान दवाओं की वैधता अवधि का सत्यापन किया गया तथा दुकानदारों को नाबालिग बच्चों एवं महिलाओं को किसी भी परिस्थिति में पेस्टीसाइड की बिक्री नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया।संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा उर्वरकों के नमूने भी संग्रहित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण अभियान में अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल, जिला कृषि पदाधिकारी, साहेबगंज, अंचल अधिकारी, राजमहल तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी, राजमहल शामिल थे।

छह साल बाद झारखंड सूचना आयोग को मिले चार सूचना आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आखिरकार छह साल का सूखा खत्म। मई 2020 से वीरान पड़े झारखंड सूचना आयोग में फिर से रौनक लौटने वाली है। लंबी कानूनी जंग और हाईकोर्ट की फटकार के बाद सत्ता और विपक्ष दोनों को झुकना पड़ा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की मंजूरी के बाद सरकार ने बुधवार देर शाम चार सूचना आयुक्त की नियुक्ति का बम फोड़ दिया।सूचना आयुक्त का पिटारा खोलने वालों में वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा का नाम सबसे ऊपर है। इनके साथ जेएमएम आईटी सेल प्रभारी तनुज खत्री व कांग्रेस के महासचिव अमूल्य नीरज खलखो और भाजपा के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक को भी कुर्सी मिल गई है। शर्त साफ है पद संभालते ही तीनों को पार्टी का दामन छोड़ना होगा।राज्यपाल ने नियुक्ति पर मुहर लगाते हुए सरकार को दो टूक कहा है मुख्य सूचना आयुक्त की कुर्सी भी जल्द भरो वरना आयोग लंगड़ा ही रहेगा। नियुक्ति की खबर जंगल में आग की तरह फैली। चर्चित सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ता सैयद अरशद नसर ने कहा अब फाइलों में दबी सच्चाई बाहर आएगी।अफसरशाही की मनमानी पर लगाम लगेगी साथ ही नसर ने सरकार से मुख्य सूचना आयुक्त व बचे दो सूचना आयुक्त की भी अविलंब नियुक्ति करने की मांग की है। जैसे ही चार सूचना आयुक्त की नियुक्ति की खबर आई आरटीआई कार्यकताओं में जश्न का माहौल बन गया व मिठाइयां बंटने लगीं। वहीं दूसरी तरफ सरकारी दफ्तरों में फाइलें खंगालने वालों के चेहरों पर मायूसी साफ दिखी।

पाकुड़ में स्वास्थ्य अवसंरचना को मिलेगी नई मजबूती निर्माणाधीन स्वास्थ्य उपकेंद्रों को समयबद्ध पूरा करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़: जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पाकुड़ अरविंद कुमार लाल की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा 15वें वित्त आयोग (स्वास्थ्य क्षेत्र) के अंतर्गत निर्माणाधीन स्वास्थ्य उपकेंद्र भवनों एवं अन्य स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने विभिन्न कार्यदायी एजेंसियों द्वारा संचालित योजनाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हुए कार्यों में अपेक्षित गति लाने पर बल दिया। कुछ परियोजनाओं में प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। निर्माणाधीन स्वास्थ्य उपकेंद्रों के पूर्ण होने से आमजन, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को कार्यों में तेजी लाने तथा समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में भूमि संबंधी विवादों एवं प्रशासनिक स्तर पर लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले सभी भूमि संबंधी एवं प्रशासनिक मामलों का त्वरित निष्पादन किया जाए, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की रुकावट न आए। समीक्षा के दौरान संबंधित अभियंताओं एवं नोडल अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करने तथा कार्य प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग से कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता दोनों सुनिश्चित की जा सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

साहेबगंज में वृद्धजनों के लिए 'वृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्र' का हुआ शुभारंभ

साहेबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा वृद्ध नागरिकों की सहायता एवं सुविधा के लिए ह्यवृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्रह्न की स्थापना की गई है। नालसा की जागृति योजना-2025 के तहत स्थापित इन केंद्रों का उद्देश्य जिले के वृद्ध नागरिकों को त्वरित कानूनी सहायता उपलब्ध कराना, उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। इन केंद्रों का शुभारंभ साहेबगंज स्थित वृद्धा आश्रम एवं साहेबगंज प्रखंड कार्यालय में किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि वृद्धजन सहायता एवं सुविधा केंद्र के माध्यम से वृद्ध नागरिकों को नि:शुल्क विधिक सलाह, शिकायतों का समाधान, विवाद निवारण, आवश्यक दस्तावेजों में सहायता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र के प्रमुख कार्यों में वृद्ध नागरिकों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के संबंध में सहायता, संपत्ति संबंधी विवाद, दुर्व्यवहार एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु विधिक सहयोग तथा विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। भगत ने कहा कि वृद्धा आश्रम में स्थापित केंद्र वहां निवास कर रहे बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से सहायक होगा, जबकि प्रखंड कार्यालय स्थित केंद्र से स्थानीय क्षेत्र के वृद्ध नागरिकों को आसानी से सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज की यह पहल वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सचिव विश्वनाथ भगत ने जिले के सभी वृद्ध नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान एवं विधिक सहायता के लिए इन केंद्रों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

रामपुर में पीएम जनमन स्वास्थ्य शिविर संपन्न, 44 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

साहिबगंज : जिले के तालझारी आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन के अंतर्गत रामपुर गांव में प्रधानमंत्री जनमन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राहुल राज की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा विभिन्न बीमारियों की जांच कर आवश्यक परामर्श और दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के दौरान गांव के 44 पात्र लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने लाभार्थियों को उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुसार उचित सलाह देते हुए नि:शुल्क दवाएं प्रदान कीं। साथ ही ग्रामीणों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि 10 जून से 25 जून तक चलने वाले कालाजार सर्वेक्षण अभियान के तहत सहिया दीदियों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का कार्य भी किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य कालाजार रोग की पहचान, रोकथाम और समय पर उपचार सुनिश्चित करना है। मौके पर कार्यक्रम में एएनएम प्रियंका कुमारी, सहिया नेहा मुर्मू, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाते हुए इस पहल की सराहना की।

पुलिस ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, कई वाहन जब्त

पूर्वी सिंहभूम : शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल साकची स्थित स्टेट माइल रोड पर गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस ने अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को चलाए गए इस अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए और नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान चौधरी बिल्डिंग के समीप सड़क पर खड़े कई वाहनों को जब्त किया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़क किनारे अतिक्रमण और अवैध पार्किंग हटने के बाद स्टेट माइल रोड पहले की तुलना में काफी चौड़ी नजर आने लगी, जिससे यातायात व्यवस्था में तत्काल सुधार देखने को मिला और वाहनों की आवाजाही सुगम हो गई। ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार पाठक ने कहा कि यातायात नियम सभी के लिए समान हैं। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते समय यह नहीं देखा जाएगा कि वाहन मालिक आम नागरिक है या कोई अन्य व्यक्ति नो-पार्किंग जोन में खड़े सभी वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि साकची सहित शहर के अन्य प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी अतिक्रमण हटाने और अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस का उद्देश्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त बनाकर आम लोगों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।

बेल्डीह लेक के पास व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, स्थानीय लोगों ने बचाई जान

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धातकीडीह स्थित बेल्डीह लेक के समीप गुरुवार सुबह एक वृद्ध व्यक्ति की ओर से खुदकुशी का प्रयास किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि एक व्यक्ति अपने साथ पेट्रोल लेकर लेक के पास पहुंचा और देखते ही देखते अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। आग की लपटों में घिरते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग बुझाई गई, जिसके बाद गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को इलाज के लिए टाटा मेन अस्पताल (टीएमएच) भेजा गया। झूलसे व्यक्ति की पहचान सत्तार खान के रूप में की गई। प्रत्यक्षदर्शी गोलू के अनुसार धातकीडीह बी-ब्लॉक निवासी एक वृद्ध व्यक्ति बेल्डीह लेक के पास पहुंचा था। उसके हाथ में एक बोतल थी, जिसमें पेट्रोल भरा हुआ था। कुछ देर तक वह अकेले खड़ा रहा और फिर अचानक पेट्रोल अपने ऊपर उड़ेलकर आग लगा ली। आग लगने के बाद वह बुरी तरह जलने लगा, लेकिन उसने किसी से मदद नहीं मांगी और न ही शोर मचाया। यह दृश्य देखकर वहां वाहन धो रहे युवकों और अन्य लोगों ने तत्काल तालाब से पानी लाकर उसके ऊपर डालना शुरू किया। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

एक नजर

आकाशीय बिजली गिरने से युवती की मौत

पूर्वी सिंहभूम : जिले के पोटका प्रखंड में गुरुवार को मौसम के अचानक खराब होने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक युवती की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार पोटका थाना क्षेत्र के हेंसलबिल गांव निवासी मुस्कान हांसदा (23) गुरुवार दोपहर अपने घर के समीप खड़ी थी। इसी दौरान क्षेत्र में तेज गर्जना के साथ मौसम खराब हो गया और अचानक आकाशीय बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गई और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण तत्काल उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पोटका लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और गांव में मातम छा गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पोटका थाना पुलिस और अंचल प्रशासन को दे दी है। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं ग्रामीणों ने मृतका के परिजनों को सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि पीड़ित परिवार आर्थिक रूप से साधारण स्थिति में है, इसलिए प्रशासन को तत्काल सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी से जूझ रहे क्षेत्र में गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवा, बादल और गरज-चमक के बीच हुई इस घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

भाजपा की जिला स्तरीय बैठक में पार्टी की मजबूती पर जोर

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में गुरुवार को जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी सुनीता सिंह उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्णय लिया गया कि जिले के सभी मंडलों में जिला पदाधिकारी नियमित प्रवास करेंगे। साथ ही शक्ति केंद्रों एवं बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकताओं के साथ बैठकें आयोजित की जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद स्थापित करना है।

धोबी लाइन में नाली-रास्ते के विवाद ने लिया खूनी रूप, आधा दर्जन घायल

बोकारो : सेक्टर-1बी के धोबी लाइन अंबेडकर नगर में नाली और रास्ते को लेकर लंबित विवाद बुधवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोगों के बीच लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से भी मारपीट हुई, जिसमें करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ उनका उपचार चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार विवाद की जड़ टूटी हुई नाली और रोड के उपयोग को लेकर पुराने मतभेद हैं। घायल बिरू कुमार ने आरोप लगाया कि मोहल्ले में नाली का निर्माण सभी लोगों के सहयोग से कराया गया था, लेकिन निर्माण के बाद कुछ लोग नाली के ऊपर से वाहन ले जाने लगे। जब इसका विरोध किया गया तो विवाद और बाद में मारपीट हुई। वहीं, दूसरे पक्ष के घायल निक्कू कुमार का कहना है कि रास्ते पर खटिया लगाकर बैठने का विरोध करने पर उन पर और उनके साथियों पर हमला किया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और तनाव की स्थिति देखने को मिली। मौके पर फोर्स पहुंचने पर हालात कुछ हद तक नियंत्रित हुए।

मजदूरों के हक से समझौता नहीं, समस्याएं नहीं सुलझीं तो होगा बड़ा आंदोलन : रामा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड मजदूर संघर्ष संघ (झामसंसं) के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडे ने गुरुवार को गुवा खदान क्षेत्र का दौरा कर मजदूरों की समस्याओं का जायजा लिया। यूनियन पदाधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यस्थलों के निरीक्षण के बाद उन्होंने सेल प्रबंधन पर मजदूर हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

रामा पांडे ने कहा कि खदान क्षेत्र में कार्यरत कई ठेका मजदूरों को निर्धारित मजदूरी नहीं मिल रही है, जो श्रम कानूनों का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने प्रबंधन से बकाया भुगतान जल्द कराने और सभी मजदूरों को न्यूनतम निर्धारित मजदूरी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि कई कार्यस्थलों पर मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होने पर किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। उन्होंने खदान क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि नियमित जल छिड़काव नहीं होने से धूलकणों का स्तर बढ़ रहा है, जिससे मजदूरों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मामला न्यायालय में लंबित है, इसलिए अंतिम निर्णय आने तक इसे मजदूरों पर जबरन लागू नहीं किया जाना चाहिए। रामा पांडे ने चेतावनी दी कि यदि मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो झामसंसं खदान से लेकर मुख्यालय स्तर तक व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए यूनियन हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है।

दामोदर नदी से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भोजूडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत सिंह बस्ती (भीमगड़ा) के समीप दामोदर नदी से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। नदी में शव मिलने की सूचना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों ने दामोदर नदी में एक शव को तैरते हुए देखा और इसकी सूचना तुरंत भोजूडीह ओपी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष प्रतीत होती है। शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मौत दुर्घटना, आत्महत्या अथवा किसी अन्य कारण से हुई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद सिंह बस्ती एवं आसपास के क्षेत्रों में तरह-तरह की चर्चाओं का दौर जारी है। पुलिस ने जल्द ही मृतक की पहचान कर मामले का खुलासा करने का भरोसा जताया है।

एनजीटी की रोक के बाद भी अवैध बालू खनन जारी, छापेमारी में दो वाहन जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददातात

धनबाद : मानसून को देखते हुए राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने 10 जून से नदियों से बालू उठाव पर देशभर में रोक लगा दी है। इसके बावजूद धनबाद में अवैध बालू खनन का कारोबार बेखौफ जारी है। गुरुवार को तड़के खनन विभाग की टीम ने सुरक्षा बलों के साथ विभिन्न इलाकों में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान बिना वैध परमिट के बालू लदे दो वाहनों को जब्त किया गया, जबकि तेलमच्चो घाट पर अवैध खनन करते मिले धंधेबाज टीम को देखकर फरार हो गए। खनन विभाग की टीम माइनिंग इंस्पेक्टर श्यामानंद सिंह और ब्रह्मदेव यादव के नेतृत्व में सुबह निरीक्षण पर निकली। सबसे पहले बरटांड़ बस स्टैंड के समीप धैया रोड पर बालू लदे दो 407 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान दोनों वाहनों के चालकों

द्वारा बालू परिवहन से संबंधित कोई वैध परमिट प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद जेएच-10 एटी-8754 और जेएच-10 बीजे-7449 नंबर के दोनों वाहनों को जब्त कर धनबाद थाना के सुपुर्द कर दिया गया। जब्त वाहनों से करीब 400 सीएफटी बालू बरामद किया गया। इसके बाद टीम तेलमच्चो बालू घाट पहुंची, जहां प्रतिबंध के बावजूद दामोदर नदी से ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू निकाला और लोड किया जा रहा था। खनन विभाग की टीम को देखते ही अवैध धंधेबाज ट्रैक्टरों की चाबी लेकर मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके पर अवैध खनन के प्रमाण जुटाए और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एनजीटी की रोक के बावजूद दिनदहाड़े हो रहे अवैध खनन ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस तरह से नदी घाटों पर खुलेआम बालू निकासी जारी है, उससे अवैध कारोबारियों के बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब सवाल यह है कि आखिर किसकी शह पर यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है और संबंधित विभाग इस पर प्रभावी अंकुश लगाने में कब तक सफल हो पाएगा।

सड़क हादसे में बुझ गया घर का चिराग, बभनबै के युवक अश्वनी कुमार की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहर में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। सदर प्रखंड के बभनबै निवासी अनिल साहु के पुत्र अश्वनी कुमार की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जाता है कि शहर के क्षितिज हॉस्पिटल के समीप एक हाईवा की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अश्वनी कुमार के असामयिक निधन की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में चीख-पुकार और मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में कल तक हंसी-खुशी का माहौल था, वहां आज गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। एक युवा बेटे की

अचानक मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। घटना की सूचना फैलते ही बभनबै गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और शुभचिंतक शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों की आंखें भी नम दिखीं। हर कोई इस दर्दनाक हादसे को लेकर स्तब्ध नजर आया। ग्रामीणों ने बताया कि अश्वनी कुमार सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। गांव में उनकी पहचान एक अच्छे और व्यवहार कुशल युवक के रूप में थी। उनके असामयिक निधन से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे गांव ने अपना एक प्रिय सदस्य खो दिया है। लोगों का कहना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह का हादसा बेहद दुखद और पीड़ादायक है।

यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की अनियंत्रित रफ्तार पर सवाल खड़े करता है। आए दिन हो रहे सड़क हादसे कई परिवारों की खुशियां उजाड़ रहे हैं। अश्वनी कुमार की मौत ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया है। गांव में शोक का माहौल है और लोग दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना कर रहे हैं।

दूंदीबाद फल मंडी में लगी आग कई गोदाम और झोपड़ियां चपेट में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दूंदीबाद फल मंडी में बुधवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 11 बजे लगी आग ने देखते ही देखते मंडी के कुछ फल गोदामों और आसपास स्थित झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की लपटें तेज होने के कारण कुछ समय तक पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना रहा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि आग से गोदामों और झोपड़ियों में रखे सामान को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। देर रात तक नुकसान का आकलन किया जा रहा था। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुट गए हैं।

भारत की विरासत को जीवंत रखने के लिए सामूहिक साधना जरूरी : डॉ. संध्या पुरेचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाली प्रदर्शन कलाओं (संगीत, नृत्य और नाटक) की सर्वोच्च राष्ट्रीय संस्था संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष, कालिदास सम्मान व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात भरतनाट्यम नृत्यांगना, कोरियोग्राफर तथा लेखिका डॉ. संध्या पुरेचा ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के भविष्य को लेकर एक दूरदर्शी और प्रभावी रूपरेखा प्रस्तुत की है, जिसे उन्होंने साधना का नाम दिया है।

जीडब्ल्यू 20 की अध्यक्षा रह चुकीं डॉ. पुरेचा ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मीट द आर्टिस्ट के अनुभवों के आधार पर कला जगत की चुनौतियों और कला नीति पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय संस्कृति की वास्तविक शक्ति केवल उसके अतीत में नहीं, बल्कि वर्तमान में उसके जीवंत बने रहने और भविष्य के लिए उसकी प्रासंगिकता में निहित है। डॉ. पुरेचा के अनुसार, साधना की यह रूपरेखा 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिसमें जीवंत विरासत का संरक्षण (एस), गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से शिक्षण (ए), शास्त्र और व्यवहार का संवाद (डी), विरासत-आधारित नवाचार (एच) तथा राष्ट्रीय पहचान व सॉफ्ट पावर के रूप में कलाएं (ए) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संगीत नाटक अकादमी छऊ और कुटियाट्टम जैसी लुप्तप्राय विधाओं में विशेष प्रशिक्षण देकर नई पीढ़ी को तैयार कर रही है। परंपरा और नवाचार को एक-दूसरे का पूरक बताते हुए उन्होंने कहा कि जड़ों से जुड़ा बदलाव ही कला को दीघार्यु बनाता है। आज के वैश्विक युग में कला को देश की सॉफ्ट पावर बताते हुए डॉ. पुरेचा ने अकादेमी की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2024 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय भारतीय नृत्य संगोष्ठी और जनवरी 2025 के गणतंत्र दिवस समारोह में प्रस्तुत जयति जय मम भारतम इसके जीवंत उदाहरण हैं। इस भव्य प्रस्तुति में देश भर के 5000 से अधिक लोक एवं जनजातीय कलाकारों ने भाग लिया था, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा लार्जेस्ट इंडियन फोक वैरायटी डांस के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक संरक्षण केवल संस्थाओं के भरोसे संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए कलाकारों, शिक्षकों, नीति-निमार्ताओं और दर्शकों को मिलकर सामूहिक साधना करनी होगी।

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्मर्षि परिवार ने दी स्व. नरेंद्र कुमार को भावभीनी श्रद्धांजलि

बोकारो : ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो के तत्वावधान में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह प्रतिमा स्थल, बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के समीप स्वर्गीय नरेंद्र कुमार की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया। ज्ञात हो कि स्व. नरेंद्र कुमार का असामयिक निधन 6 जून 2026 को उनके पैतृक गांव फुलेलपुर, बाढ़ (बिहार) में हो गया था। उनके निधन से ब्रह्मर्षि परिवार एवं समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। वे बोकारो इस्पात संयंत्र में अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त थे तथा सेक्टर-6अ, बोकारो के निवासी थे। वे सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहते थे तथा बोकारो ऑफिसर्स रिटायर्ड इम्प्लॉयज एसोसिएशन के सचिव के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व. नरेंद्र कुमार एक सरल, सौम्य, कर्मठ एवं समाजनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, संगठन निर्माण तथा सामाजिक एकता को समर्पित किया। उनका निधन समाज के लिए एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई तथा शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर बैजनाथ प्रसाद शर्मा, कमलेश राय, हरिश्चंद्र प्रसाद वरणवाल, नग नारायण प्रसाद शाही, डॉ. नरेंद्र कुमार राय, सुधीर कुमार, प्रमोद सिंह, सुरेश राय, ब्रजकिशोर सिंह एवं सुशील कुमार ठाकुर दीपक कुमार मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्व. नरेंद्र कुमार के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लगाकर संजय शर्मा ने किया 57वां रक्तदान

बोकारो : रक्तवीर परिवार के संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा ने बोकारो रक्तवीर परिवार एवम के आर फिटनेस के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चास एस डी पी ओ श्री वेदांत शंकर एवम बोकारो ट्रैफिक डी एस पी श्री अजय प्रसाद रहें। कार्यक्रम की शरुआत डी एस पी अजय प्रसाद जी ने रक्तदान से की। उन्होंने इस अवसर पर कहा की संजय जी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित कर समाज को एक नई पहल बताया एवम कहा की ऐसे मौके पर लोग जहाँ पार्टी करते हैं वहाँ पर रक्तदान करना एवम लोगों की जीवन बचाना बहुत ही नेक कार्य है सराहनीय है। इसके लिए इनको एवम इनकी संस्था को बहुत बहुत बधाई। चास एस डी पी ओ वेदांत शंकर ने कहा की रक्तदान करना वास्तव में जीवन बचाने का कार्य है। रक्तदान करने से खुद को फायदा होता है नुकसान कहीं से नहीं है। ऐसे शिविर का आयोजन समय समय पर करते रहना चाहिए और समाज के लोगों से यही कहना चाहूंगा की जब भी मौका मिले रक्तदान जरूर कीजिये। शिविर में 21 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्त संग्रह करने में के एम मेमोरियल ब्लड सेंटर की टीम का सराहनीय योगदान रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सचिव बिनय कुमार, रजनीश तिवारी, हामिद खान जिन्होंने अपना 51 वां रक्तदान किया,साहिल, लोकनाथ, ऋतुराज, सहित के आर फिटनेस के अलख शर्मा, कुमुद रंजन, मनोज, चंदन, यश सहित अन्य सदस्यों का सहयोग सरहनीय रहा।

भाजपा की बैठक में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

पेटरवार : पेटरवार भाजपा बोकारो जिला पदाधिकारी की संगठनात्मक बैठक गुरुवार को ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पेटरवार में जिलाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज की अध्यक्षता में हुई। बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मजिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भाजपा की असली ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिले के सभी पदाधिकारी एवं मंडल प्रभारी नियमित रूप से अपने-अपने मंडलों में प्रवास करें और प्रत्येक माह शक्ति केंद्रों की बैठक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र प्रभारी एवं संयोजकों को बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रहना होगा।भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज ने कहा कि संगठन की सफलता कार्यकर्ताओं की सक्रियता,जनसंपर्क और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने पदाधिकारी को मंडल में प्रवास कर कार्यकताओं से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की अपील की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री रामलाल सोरेन और धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार ने किया।

यक्ष्मा उन्मूलन शिविर में 162 लोगों की हुई जांच

नावाडीह : प्रखंड के सुरही पंचायत भवन में गुरुवार को राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में चल रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान में जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 162 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की विशेष रूप से स्क्रीनिंग की गई। इनमें डायबिटीज मरीज, पूर्व टीबी रोगी, टीबी मरीज के परिजन, शराब एवं धूम्रपान करने वाले लोग, 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति तथा कम बीएमआई वाले लोगों की जांच शामिल रही। शिविर में हैंडल एक्स - रे मशीन के माध्यम से जांच की गई तथा संदिग्ध मरीजों का बलगम संग्रहण भी किया गया।मौके पर मुखिया विश्वनाथ महतो,अमित कुमार(एसटीएस),बिनोद उरांव,उमेश प्रसाद महली ,मनीषा बॉन्डों, विजय कुमार, नीतू देवी (बिटीटी), दशरथ महतो (इक्स रे टेक्नीशियन)सहिया साथी एवं सहिया उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

महुआ में 108 में से अधिकांश CCTV कैमरे खराब, अपराध की जांच और निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

पटना (एजेंसी) वैशाली के महुआ में नगर परिषद द्वारा लगाए गए 108 सीसीटीवी कैमरों में अधिकांश खराब पड़े हैं. फुटेज नहीं मिलने से पुलिस को अपराध की जांच और साक्ष्य जुटाने में दिक्कत हो रही है. : (दिलीप कुमार) महुआ थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से नगर परिषद द्वारा लगाए गए अधिकांश सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं. इससे आपराधिक घटनाओं की जांच में पुलिस को साक्ष्य जुटाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और निगरानी व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है. 108 कैमरों में कई लंबे समय से बंद जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने महुआ बाजार और विभिन्न वार्डों के प्रमुख चौक-चौराहों पर कुल 108 सीसीटीवी कैमरे लगाए थे. इनमें से कई कैमरे स्थापना के कुछ समय बाद ही खराब हो गए और अब आधे से अधिक कैमरे काम नहीं कर रहे हैं. चोरी और मारपीट की घटनाओं में नहीं मिल रही फुटेज कैमरे बंद रहने के कारण चोरी, झपटमारी, मारपीट और अन्य आपराधिक घटनाओं के मामलों में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल पाती. इससे पीड़ितों को न्याय दिलाने और आरोपियों की पहचान करने में मुश्किलें बढ़ रही हैं. पुलिस ने जताई चिंता इस संबंध में पूछे जाने पर महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि कैमरों के खराब होने की सूचना संबंधित एजेंसी को दी जाती है, लेकिन कई बार इस पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती. इससे जांच कार्य प्रभावित होता है. शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाईः कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सोनू कुमार राय ने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है. उन्होंने आश्वासन दिया कि शिकायत प्राप्त होते ही खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कराई जाएगी. स्थानीय लोगों ने की जल्द सुधार की मांगस्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी सीसीटीवी कैमरों का सुचारु रूप से चालू रहना जरूरी है. लोगों ने नगर परिषद से जल्द मरम्मत कर कैमरों को फिर से चालू करने की मांग की है.

अवैध खनन पर जिला प्रशासन का बड़ा प्रहारः डीएम और एसपी के नेतृत्व में तड़के 4 बजे सरप्राइज रेड

पटना (एजेंसी) किशनगंज जिले में बालू और मिट्टी के अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है. जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के नेतृत्व में गुरुवार तड़के से शुरू हुई इस औचक छापेमारी में 70 से अधिक अवैध नावों को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया गया, जिससे खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है. किशनगंज से गौरव कुमार की रिपोर्ट : बिहार के किशनगंज जिले में बहने वाली नदियों और तटीय इलाकों से हो रहे अवैध बालू व मिट्टी के खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने एक बड़ी रणनीतिक कार्रवाई को अंजाम दिया है. जिलाधिकारी ( ) विशाल राज और पुलिस अधीक्षक (संतोष कुमार की संयुक्त कमान में गुरुवार की अहले सुबह करीब 04:00 बजे से जिले के विभिन्न संवेदनशील और चिन्हित इलाकों में एक साथ ह्यसरप्राइज रेडह्व (औचक छापेमारी) शुरू की गई. प्रशासन की इस अचानक हुई चौतरफा घेराबंदी से अवैध खनन के कारोबार में संलिप्त माफियाओं और उनके गुर्गों को संभलने तक का मौका नहीं मिला. जिला पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की इस संयुक्त कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है. विभिन्न घाटों पर एक साथ चला हंटर; माफियाओं की नावें की गईं जमींदोज प्रशासनिक टीम ने सूचना तंत्र के आधार पर जिले के उन सभी हॉटस्पॉट (चिन्हित अड्डों) पर एक साथ दबिश दी, जहां लंबे समय से चोरी-छिपे नदियों का सीना चीरकर बालू निकाला जा रहा था. इस महाभियान के तहत अमल झाड़ी, बावन डूबा, ओद्रा, बेलवा, मौजबारी, रहमानी टी स्टेट के पीछे का इलाका, रायपुर और हालामाला सहित अन्य विभिन्न नदी घाटों पर एक साथ बल प्रयोग किया गया. छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने पाया कि नदियों के बीच से बालू निकालने के लिए अवैध रूप से बड़ी नावों का बेड़ा तैयार किया गया था. प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए खनन में संलिप्त ऐसी 70 से अधिक नावों को मौके पर ही पूरी तरह से नष्ट और जमींदोज कर दिया, ताकि दोबारा उनका उपयोग न हो सके. कई ट्रैक्टर भी किए गए जब्त; पुलिस लाइन में चल रही कागजातों की स्क्रूटनी नावों को नष्ट करने के साथ ही घाटों के आस-पास बालू की लोडिंग और परिवहन में लगे कई ट्रैक्टरों को भी पुलिस ने रंगे हाथों पकड़कर जब्त कर लिया है. वर्तमान स्थिति यह है कि पकड़े गए कई ट्रैक्टरों को जिला पुलिस लाइन लाया गया है, जहां जिला परिवहन पदाधिकारी और खनन विभाग की टीम द्वारा उनके इंजनों, चेसिस नंबरों और परिचालन संबंधी पेपरों की गहनता से जांच (स्क्रूटनी) की जा रही है. अधिकारियों के अनुसार, बिना वैध चालान और रजिस्ट्रेशन के पाए जाने वाले सभी वाहनों पर लाखों रुपये का जुमार्ना लगाने के साथ-साथ उनके मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है. अभियान में जिला प्रशासन की ओर से कोर टीम फील्ड पर मुस्तैद रही इस व्यापक अभियान में जिला प्रशासन की ओर से पूरी कोर टीम फील्ड पर मुस्तैद रही. टीम में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खुसरू सिराज और सहायक जिला खनन पदाधिकारी आदित्य कुमार सहित जिले के कई वरीय अधिकारी और भारी संख्या में सशस्त्र जिला पुलिस बल के जवान शामिल रहे. जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यह कार्रवाई अभी थमी नहीं है और आने वाले दिनों में भी अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ यह जीरो टॉलरेंस अभियान लगातार जारी रहेगा.

बिहार में पुराने वाहन मालिकों की बल्ले-बल्ले, स्क्रैप कर नई गाड़ी खरीदने पर मिलेगा टैक्स में बड़ा फायदा

पटना (एजेंसी) बिहार में पुराने वाहनों को स्क्रैप कराने की प्रक्रिया जल्द और आसान होने वाली है. राज्य सरकार ने वाहन स्क्रैपिंग नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी है. अब पुराने वाहन स्क्रैप कर नए वाहन खरीदने पर वाहन मालिकों को मोटर वाहन कर में छूट का लाभ भी मिलेगा. (प्रह्लाद कुमार, पटना) बिहार में पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने की प्रक्रिया अब और आसान होने जा रही है. राज्य सरकार ने वाहन स्क्रैपिंग से जुड़े नियमों में बदलाव को मंजूरी दे दी है. इसके बाद परिवहन विभाग जल्द नया नोटिफिकेशन जारी करेगा. सरकार का कहना है कि इससे वाहन मालिकों को सीधे फायदा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा. नई गाड़ी खरीदने पर मिलेगा टैक्स में लाभ परिवहन विभाग के अनुसार, जो वाहन मालिक अपने पुराने वाहन को अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर में जमा करेंगे, उन्हें ह्यसर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिटह्व दिया जाएगा. इस प्रमाण पत्र के आधार पर नया वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में छूट मिलेगी. इसका फायदा उठाकर लोग पुराने वाहनों की जगह नई, सुरक्षित और कम प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियां खरीद सकेंगे. प्राइवेट वाहनों पर 25%, कुछ मामलों में 50% तक छूट वर्तमान नियमों के तहत गैर-परिवहन यानी निजी वाहनों पर 25 प्रतिशत तक मोटर वाहन कर में छूट मिलती है. वहीं परिवहन वाहनों पर 15 प्रतिशत तक छूट का प्रावधान है. इसके अलावा भारत स्टेज-1 और भारत स्टेज-2 मानकों के तहत बने कुछ मध्यम और भारी वाहनों को स्क्रैप कराने पर 50 प्रतिशत तक कर छूट का लाभ मिल सकता है. अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर से करानी होगी प्रक्रिया सरकार ने स्पष्ट किया है कि निजी वाहनों की स्क्रैपिंग केवल पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) के माध्यम से ही करानी होगी. इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुरक्षित बनी रहेगी. प्रदूषण कम होगा, सड़क सुरक्षा बढ़ेगी परिवहन विभाग का मानना है कि पुराने वाहनों को हटाने से वायु प्रदूषण में कमी आएगी. साथ ही ईंधन की बचत होगी और सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी. विभाग के सचिव राजकुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से वाहन स्क्रैपिंग होने से पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव कम होंगे.

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का 16 जून को संभावित कैमूर और रोहतास दौरा

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 16 जून को कैमूर के मुंडेश्वरी धाम का दौरा कर सकते हैं. संभावित कार्यक्रम के तहत वे मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे. इसके के बाद सभा को संबोधित करेंगे. यह उनका मुख्यमंत्री बनने के बाद कैमूर में पहला दौरा होगा. सम्राट चौधरी के आगमन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. स्थानीय लोग उत्साहित हैं. विकास कुमार) मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी कैमूर पहुंचेंगे. जानकारी के अनुसार, 16 जून को भभुआ जिले के मुंडेश्वरी धाम में उनका आगमन होगा. उनके संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसे लेकर बुधवार को जिलाधिकारी नितिन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला समेत सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मुंडेश्वरी में एकत्रित हुए और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की. पहले कैमूर, फिर रोहतास का दौरा जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री का 16 जून को कैमूर और रोहतास दोनों जिलों का दौरा प्रस्तावित है. निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे पहले कैमूर पहुंचेंगे और उसके बाद रोहतास जिले के लिए प्रस्थान करेंगे. मंदिर में पूजा के बाद सभा को करेंगे संबोधित संभावित कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री मुंडेश्वरी धाम पहुंचने के बाद सबसे पहले मां मुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे. इसके बाद वे धाम स्थित धर्मशाला परिसर में चल रहे सहयोग शिविर का निरीक्षण करेंगे. साथ ही आयोजित सभा को भी संबोधित करेंगे. जिला प्रशासन द्वारा सभा स्थल के चयन के साथ-साथ हेलीपैड निर्माण की तैयारी भी शुरू कर दी गई है, ताकि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर के माध्यम से सीधे मुंडेश्वरी धाम पहुंच सकें. तैयारियों में जुटा प्रशासन, अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी जिलाधिकारी ने सभी विभागों को उनके संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देश दिया है कि सभी तैयारियां समय पर और व्यवस्थित ढंग से पूरी की जाएं. अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल, सभा स्थल और अन्य व्यवस्थाओं का भी चयन किया गया . पहली यात्रा को लेकर बढ़ी उम्मीदें मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी का यह पहला कैमूर दौरा होगा. जिसे जिले के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री जिले को कई विकास योजनाओं की सौगात दे सकते हैं. इससे पहले समृद्धि यात्रा के दौरान, जब वे उपमुख्यमंत्री के रूप में कैमूर आए थे, तब उन्होंने कैमूर पहाड़ी पर हाई सिक्योरिटी जेल बनाने की घोषणा की थी. ऐसे में इस बार उनके मुख्यमंत्री के रूप में आगमन पर लोगों को बड़ी घोषणाओं की उम्मीद है. अभी कार्यक्रम संभावित, आधिकारिक पुष्टि बाकी हालांकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. जिला प्रशासन को टेलीफोनिक सूचना के आधार पर संभावित कार्यक्रम मिला है, जिसके अनुसार सभी तैयारियां की जा रही हैं.

गर्मी की छुट्टियों में दरभंगा एयरपोर्ट पर बढ़ी भीड़, 78 हजार यात्रियों ने किया सफर

पटना (एजेंसी) दरभंगा एयरपोर्ट से मई महीने में 78 हजार से अधिक यात्रियों ने विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भरी. इस दौरान हर फ्लाइट में औसतन 92 प्रतिशत सीटें बुक रहीं और 10 मई सबसे व्यस्त दिन रहा. जानिए खबर विस्तार से... दरभंगा से अजय कुमार मिश्रा की दरभंगा एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. मई महीने में एयरपोर्ट से 78 हजार से अधिक यात्रियों ने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता समेत विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भरी. यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण अधिकांश उड़ानों में सीटें लगभग भर गईं और औसतन 92 प्रतिशत सीटों की बुकिंग दर्ज की गई. गर्मी की छुट्टियों और शादी सीजन में बढ़ी यात्रियों की संख्या एयरपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार गर्मी की छुट्टियों, शादी-विवाह के मौसम और रोजगार व व्यवसायिक गतिविधियों के कारण यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई. उत्तर बिहार के लोगों के लिए दरभंगा एयरपोर्ट प्रमुख हवाई केंद्र बन चुका है, जिससे विभिन्न महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की मांग लगातार बढ़ रही है. 18 उड़ानों से 2993 यात्रियों ने किया सफर मई महीने में 10 मई सबसे व्यस्त दिन रहा. इस दिन कुल 18 उड़ानों के जरिए 2993 यात्रियों ने यात्रा की, जो पूरे महीने का सर्वाधिक आंकड़ा रहा. वहीं 30 मई को सबसे कम यात्री संख्या दर्ज की गई. उस दिन आठ उड़ानों का संचालन हुआ और 1442 यात्रियों ने सफर किया. नई टर्मिनल बिल्डिंग से यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार आने वाले महीनों में यात्री संख्या में और बढ़ोतरी की संभावना है. बेहतर कनेक्टिविटी और सीधी उड़ानों के कारण दरभंगा एयरपोर्ट की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है. नई टर्मिनल बिल्डिंग और एयरपोर्ट विस्तार परियोजना पूरी होने के बाद यात्रियों को आधुनिक और बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है.

12 साल बाद भी अधूरा है चंदवारा पुल, उद्घाटन से पहले आई रिपेयरिंग की नौबत

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर का बहुप्रतीक्षित चंदवारा पुल 12 साल बाद भी पूरी तरह चालू नहीं हो सका है. तकनीकी खामियां, जमीन अधिग्रहण विवाद और फंड की देरी इसकी वजह बने. अब एप्रोच रोड निर्माण तेज है और अगले वर्ष तक परियोजना पूरी होने की उम्मीद है. : जिले के उत्तरी-पूर्वी इलाके से शहर को जोड़ने वाली दूसरी लाइफलाइन चंदवारा पुल की दास्तां व्यवस्था की सुस्ती का उदाहरण बन चुकी है. जिस पुल की आधारशिला साल 2014-15 में इस उम्मीद के साथ रखी गई थी कि यह शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को रफ्तार देगा, वह 12 साल बाद भी उद्घाटन की राह देख रहा है. विडंबना देखिए कि एक तरफ जहां अब जाकर एप्रोच रोड का निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ उद्घाटन से पहले ही नए पुल की रेलिंग जर्जर होने लगी है और उसकी मरम्मत की जा रही है. आखिर क्यों लटकी रही लाइफलाइन

चंदवारा पुल के निर्माण में हुई इस अप्रत्याशित देरी के पीछे तकनीकी गड़बड़ी से लेकर प्रशासनिक लेटलतीफी के कई पेंच फंसे रहे, जिसे सिलसिलेवार ढंग से इस तरह समझा जा सकता है. तकनीकी खामी (पाया टेढ़ा होना/बहना): शुरूआत में इस परियोजना को वर्ष 2017-18 तक ही पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था. लेकिन निर्माण के दौरान ही पुल का पाया (पिलर) टेढ़ा होने और बहने जैसी गंभीर तकनीकी दिक्कतें सामने आ गईं. इस बड़ी तकनीकी लापरवाही ने पूरी योजना को कई साल पीछे धकेल दिया. जमीन अधिग्रहण का लंबा विवाद पुल और एप्रोच रोड के लिए साल 2015 में ही लीज पर जमीन लेने का फैसला हुआ था. लेकिन जमीन मालिकों के साथ सहमति नहीं बन पाने के कारण रजिस्ट्री की प्रक्रिया सालों-साल लटकी रही. किश्तों में फंड मिलना पुल निर्माण में देरी की एक बड़ी वजह यह भी रही कि इसके निर्माण और मुआवजा भुगतान के लिए राशि एकमुश्त मिलने के बजाय तीन-चार चरणों में टुकड़ों-टुकड़ों में मिली. फंड की कमी के कारण बार-बार काम रुकता रहा. 2021 से बदली तस्वीर, ह्यप्रगति यात्राह्व के बाद आई तेजी सालों तक फाइलों में दबे रहने के बाद साल 2021 में एक बार फिर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू की गई. इसके बाद साल 2024 में अवार्ड घोषित हुआ और जमीन मालिकों को मुआवजा भुगतान का रास्ता साफ हुआ

लालू यादव के बर्थडे पर पढ़िए उनके कई मजेदार किस्से, जो आज भी लोगों को गुदगुदाते हैं

पटना (एजेंसी) बिहार की राजनीति में अपनी अलग शैली और बेबाक बयानों के लिए मशहूर लालू यादव के कई ऐसे किस्से हैं, जो आज भी लोगों को गुदगुदाते हैं. उनके जन्मदिन के मौके पर पढ़िए संसद से लेकर राजनीतिक मंचों तक उनके कुछ सबसे दिलचस्प और चर्चित किस्से. राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव आज अपना 79वां जन्मदिन मना रहे हैं. उनका जन्म 11 जून 1948 को बिहार के गोपालगंज जिले में हुआ था. बिहार की राजनीति में लालू यादव एक ऐसा नाम हैं, जिनकी शैली, भाषण और हाजिरजवाबी आज भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रहती है. उनके राजनीतिक जीवन से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिन्हें लोग आज भी याद कर मुस्कुरा देते हैं. जब संसद में पीएम बनने की इच्छा खुलकर बताई

यह किस्सा साल 2008 का है. उस समय केंद्र में यूपीए सरकार थी और लालू यादव रेल मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे. 22 जुलाई 2008 को लोकसभा में चर्चा के दौरान उन्होंने अपने खास अंदाज में प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जाहिर की थी. भाषण के दौरान लालू यादव ने कहा था कि प्रधानमंत्री बनने की इच्छा किसे नहीं होती. उन्होंने कहा कि उनका भी मन पीएम बनने का करता है और दूसरे नेताओं का भी यही सपना होता है. लेकिन मुझे किसी तरह की जल्दबाजी नहीं है. बिना मेल बियाह, कनपट्टी ले सेनुर से कोई पीएम नहीं बनता. अपने चुटीले अंदाज में उन्होंने कहा था कि बिना सही राजनीतिक परिस्थितियों के कोई प्रधानमंत्री नहीं बन सकता. साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि देश में अभिजात्य वर्ग का जो वर्चस्व है, उसमें कोई दलित, पिछड़ा या फिर माइनारिटी का पीएम कैसे बन सकता है? जार्ज फर्नांडीस पर भी ली थी मजेदार चुटकी लालू यादव के भाषणों में राजनीतिक तंज और हास्य का मिश्रण हमेशा देखने को मिलता रहा है. रेल मंत्री रहते हुए उन्होंने संसद में एक बार पूर्व रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस पर भी मजेदार टिप्पणी की थी. उस दौरान एनडीए विपक्ष में था. भाषण के दौरान लालू यादव ने अटल बिहार वाजपेयी के शासनकाल में हुए पोखरण परमाणु विस्फोट पर सवाल उठाया. जार्ज फर्नांडीस पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि पता नहीं जार्ज साहब आज वहां क्यों बैठे हैं. हमें उन्होंने ही समाजवाद का पाठ पढ़ाया. टीवी पर हमने गुप्ता जी को सुना. वह कह रहे थे हमें रोटी चाहिए, लगता है कि बेचारे अभी तक भूखे हैं. रोटी आसमान से नहीं, इन्फ्रास्ट्रक्चर से आएगा. ह्वरोटी इंकलाब से नहीं, इंफ्रास्ट्रक्चर से आएगीह्व

उन्होंने अपने भोजपुरिया अंदाज में आगे कहा कि गुप्ता जी, रोटी इंकलाब जिंदाबाद से नहीं, इन्फ्रास्ट्रक्चर से आएगा. एड़ी अलगा के भाषणबाजी करने से रोटी नहीं आने वाला है. इन्फ्रास्ट्रक्चर की जब भी बात आती है, कहीं मेधा पाटकर खड़ी हो जाती हैं, तो कहीं बहुगुणा जी अनशन करते हैं, कहीं एनजीओ आ जाते हैं. भाजपा का हाल पुतवो मीठ, भतरो मीठ जैसा है. अपने परिवार के साथ 79 वां जन्मदिन मनाते लालू यादव आज भी चर्चा में रहते हैं लालू के भाषण लालू यादव की राजनीति जितनी चर्चित रही, उतने ही मशहूर उनके भाषण भी रहे हैं. संसद हो या चुनावी मंच, उनकी बातों में हास्य, व्यंग्य और राजनीतिक संदेश का अनोखा मेल देखने को मिलता था. यही कारण है कि उनके कई पुराने भाषण और किस्से आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं और लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं.

पटना में अचानक बदला मौसम, तेज आंधी-तूफान और गर्जन के साथ हुई बारिश, IMD ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

पटना (एजेंसी) तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ पटना में मौसम ने अचानक करवट ली. बारिश के बीच IMD ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. अगले कुछ घंटों तक वज्रपात और आंधी-तूफान का खतरा बना रह सकता है. भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे राजधानी पटना समेत आसपास के इलाकों में गुरुवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ले ली. देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ धूलभरी आंधी शुरू हो गई. इसके बाद कई इलाकों में गर्जन और चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई. मौसम के इस अचानक बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली, हालांकि तेज हवा और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए प्रशासन और मौसम विभाग ने सतर्क रहने की सलाह दी है. मौसम विज्ञान विभाग (IMD), पटना द्वारा जारी नाउकास्ट वेदर वार्निंग के अनुसार पटना, जहानाबाद और अरवल जिले के कुछ हिस्सों में अगले दो से तीन घंटे के दौरान मेघ गर्जन, वज्रपात, तेज हवा और वर्षा की प्रबल संभावना जताई गई है. इसे देखते हुए विभाग ने इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है. तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और आवागमन प्रभावित होने की आशंका है. वहीं, गर्जन और वज्रपात को लेकर भी लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है.अचानक बदला मौसम का मिजाज गुरुवार सुबह तक पटना में तेज धूप और उमस बनी हुई थी. लेकिन अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और कई इलाकों में धूलभरी आंधी चलने लगी. इसके बाद बूंदाबांदी और हल्की बारिश शुरू हो गई. मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत मिली. मौसम विभाग (IMD) ने जारी किया अलर्ट आईएमडी ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े न हों. आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें. किसानों को भी खेतों में काम करने से बचने और मौसम सामान्य होने तक इंतजार करने की सलाह दी गई है. क्टऊका ऑरेंज अलर्ट मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बिहार के मध्य भागों में सक्रिय मौसमी प्रणाली और नमी के प्रभाव के कारण अचानक बादल बनने की प्रक्रिया तेज हुई है,

गया जंक्शन पर पश्चिम बंगाल के 4 युवक गिरफ्तार, हॉल्ट पर ट्रेन रुकते ही यात्रियों के साथ कर देते थे बड़ा कांड

पटना (एजेंसी) गया जंक्शन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए गए विशेष अभियान में आरपीएफ और जीआरपी को बड़ी सफलता मिली है. संयुक्त कार्रवाई के गया जंक्शन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चलाए गए विशेष अभियान में आरपीएफ और जीआरपी को बड़ी सफलता मिली है. संयुक्त कार्रवाई के दौरान चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है. जिनके पास से चोरी के मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है. गिरफ्तार सभी युवक पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और प्रारंभिक पूछताछ में ट्रेनों में चोरी और मोबाइल छिनतई में संलिप्तता की बात सामने आई है. ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत चला विशेष अभियान गया जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत विशेष जांच अभियान चलाया. अभियान का नेतृत्व आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव और रेल थानाध्यक्ष शिव कुमार ने किया.अभियान के दौरान गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के हावड़ा छोर पर चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया गया. पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी के मोबाइल फोन और नकद राशि बरामद की गई. चार मोबाइल और 19,800 रुपये नकद बरामद पुलिस ने गिरफ्तार युवकों के कब्जे से चार चोरी के मोबाइल फोन और 19,800 रुपये नकद बरामद किए हैं. बरामदगी के बाद सभी आरोपियों को रेल थाना ले जाया गया, जहां उनसे गहन पूछताछ की गई. गिरफ्तार युवकों की पहचान पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग थाना क्षेत्र निवासी सलामत गाजी, मिलन अली मोला, महसिन शाह और नाजीबर मंडल के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार चारों आपस में मित्र हैं. गया में रहकर ट्रेनों में करते थे चोरी पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे गया शहर के विभिन्न इलाकों में रहकर पैसेंजर ट्रेनों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे. पुलिस के अनुसार गिरोह लंबे समय से यात्रियों को निशाना बना रहा था. प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ट्रेन के हॉल्ट या धीमी गति से चलने के दौरान यात्रियों से मोबाइल छीनने की घटनाओं में भी शामिल थे. पुलिस इन दावों की जांच कर रही है और पुराने मामलों से भी कनेक्शन खंगाल रही है. जीआरपी थाना में दर्ज हुई प्राथमिकी कड़ी पूछताछ के बाद जीआरपी थाना गया में कांड संख्या 158/2026 दर्ज किया गया है. पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है. आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने कहा कि यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है. उन्होंने बताया कि स्टेशन और ट्रेनों में अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा.

भाई वीरेंद्र हॉर्लिक्स तो सुनील सिंह मिठाई लेकर पहुंचे अस्पताल, शिवचंद्र राम को मनाने में जुटे राजद के बड़े नेता

पटना (एजेंसी) एमएलसी टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर इस्तीफा देने वाले शिवचंद्र राम को मनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं. पटना के अस्पताल में भर्ती शिवचंद्र राम से मिलने राजद के कई नेता पहुंचे, लेकिन सुनील सिंह और भाई वीरेंद्र की मुलाकात सबसे ज्यादा चर्चा में रही. बिहार विधान परिषद चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में नाराजगी का बड़ा मामला सामने आया है. एमएलसी का टिकट नहीं मिलने से नाराज पार्टी के वरिष्ठ नेता और एससी/एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचंद्र राम ने कुछ दिन पहले भावुक होकर इस्तीफे का ऐलान कर दिया था. मीडिया के सामने रोते हुए उन्होंने कहा था कि उनके साथ अन्याय हुआ है. हालांकि, पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया. इसके बाद अब राजद शिवचंद्र राम को मनाने की कोशिश में जुट गया है. अस्पताल में भर्ती हैं शिवचंद्र राम फिलहाल शिवचंद्र राम पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं और इलाज करा रहे हैं. इसी बीच कई राजद नेता उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे. चर्चित विधायक भाई वीरेंद्र भी हॉर्लिक्स लेकर उनसे मिलने पहुंचे थे. उन्होंने उनका हालचाल जाना और पार्टी के प्रति भरोसा बनाए रखने की अपील की. अस्पताल में हुई मुलाकातों में सबसे ज्यादा चर्चा सुनील सिंह की रही. सुनील सिंह मिठाई लेकर शिवचंद्र राम से मिलने पहुंचे. उन्होंने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया और उन्हें मिठाई खिलाई. इसके बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और काफी देर तक बातचीत भी की. इस मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो भी चर्चा में हैं. दोनों नेताओं के बीच था टिकट का मुकाबला दरअसल, राजद के एमएलसी उम्मीदवार को लेकर शिवचंद्र राम और सुनील सिंह का नाम सबसे आगे माना जा रहा था. लेकिन नामांकन के दिन पार्टी ने सुनील सिंह को उम्मीदवार बना दिया. सुनील सिंह के नामांकन के बाद शिवचंद्र राम की नाराजगी खुलकर सामने आ गई थी. टिकट नहीं मिलने का दर्द उनकी आंखों से आंसू बनकर बह निकला था. रोते हुए किया था इस्तीफे का ऐलान शिवचंद्र राम ने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा था कि उन्होंने हमेशा पार्टी और नेतृत्व के प्रति पूरी निष्ठा से काम किया. इसके बावजूद उन्हें उचित सम्मान नहीं मिला. उन्होंने यह भी कहा था कि उनके समाज के लोग पिछले कई दिनों से पटना में मौजूद हैं और टिकट नहीं मिलने से बेहद आहत हैं. ऐसे में समाज के सम्मान को देखते हुए उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का फैसला लिया. लालू यादव ने ठुकरा दिया इस्तीफा शिवचंद्र राम के इस्तीफे के बाद राजद नेतृत्व तुरंत एक्टिव हो गया. पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने उनका इस्तीफा नामंजूर कर दिया. राजद नेताओं ने उनसे मुलाकात कर नाराजगी दूर करने की कोशिश की. पार्टी की ओर से साफ किया गया कि शिवचंद्र राम पहले की तरह सभी पदों पर बने रहेंगे और संगठन में अपनी जिम्मेदारियां निभाते रहेंगे.

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मज़बूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

संक्षिप्त डायरी

हाईकोर्ट का आदेशः जागृति शुक्ला कांड की होगी न्यायिक जांच

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों और स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के डॉक्टरों के बीच हुए विवाद को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को लंबी सुनवाई चली। मामले में हाईकोर्ट ने न्यायिक जांच का आदेश दिया है। जस्टिस अरुण टंडन के नेतृत्व में पूरे मामले की जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद कोर्ट अगला आदेश जारी करेगा। साथ ही इस अहम विवाद की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अब इस इश्यू को लेकर हड़ताल नहीं की जाएगी। कोर्ट ने कहा न तो वकील चक्काजाम कर प्रदर्शन करेंगे न ही डॉक्टर कामकाज ठप कर हड़ताल करेंगे। साथ ही कोर्ट ने मामले में किसी की भी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। खासकर उन दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी पर जिन्हें पुलिस तलाश रही थी। प्रयागराज में अधिवक्ता जागृति शुक्ला केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को दो बार में सुनवाई हुई। सुबह सुनवाई के बाद कोर्ट ने आदेश जारी करने को कहा था। हालांकि वकीलों की मांग पर फिर सुनवाई शुरू हुई है। वकीलों ने नए सिरे से केस की डिटेल रखी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की अधिवक्ता जागृति शुक्ला प्रकरण में मंगलवार को डबल बेंच में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस द्वारा की जा रही जांच की प्रगति रिपोर्ट तलब की है। हाईकोर्ट की अधिवक्ता जागृति शुक्ला का सोमवार सुबह लखनऊ स्थित पीजीआई में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह 20 मई को हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उनके निधन के बाद अधिवक्ताओं में शोक और आक्रोश का माहौल है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सोमवार को लंच के बाद न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया, जबकि विभिन्न स्थानों पर अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन और विरोध जताया।\

पति की दूसरी शादी के शक में पानी टंकी पर चढ़ी महिला

एजेंसी

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के सैदाबाद इलाके में एक महिला अपने पति की कथित दूसरी शादी और दहेज उत्पीड़न के आरोप में पानी की टंकी पर चढ़ गई। यह घटना बुधवार को निमहरा गांव में हुई, जिससे हड़कंप मच गया। महिला करीब दो घंटे तक टंकी पर बैठी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋतु भारती की शादी वर्ष 2023 में थाना उतरांव क्षेत्र के मदार्पुर गांव निवासी रोहित भारती से हुई थी। ऋतु का मायका उतरांव क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर गांव में है। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। इस संबंध में उसने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा भी दर्ज कराया है। बुधवार को पति द्वारा दूसरी शादी किए जाने के शक में महिला निमहरा स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गई। उसने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और न्याय मिलने तक नीचे उतरने से इनकार कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने महिला को काफी देर तक समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद महिला टंकी से नीचे उतरने को राजी हुई। पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतारा और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा रही। महिला के टंकी पर चढ़ने की यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आठ महीने पहले जिसकी हत्या हुई, उस पर मुकदमा

एजेंसी

प्रयागराज। धूमनगंज में मुण्डेरा चुंगी पेट्रोल पंप पर 2025 में हुए मारपीट और पथराव के मामले में नया मोड़ आया है। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने इस मामले में दूसरे पक्ष से भी एफआईआर दर्ज कर ली है। खास बात यह है कि इस मुकदमे में उस रावेन्द्र पासी को भी नामजद आरोपी बनाया गया है, जिसकी आठ महीने पहले दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। कोर्ट के आदेश पर धूमनगंज थाने में दर्ज इस एफआईआर में पिन्टू यादव और 7-8 अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है। रसूलपुर मरियाडीह निवासी झरी की ओर से कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि 21 अक्टूबर 2025 को उनका नाती अली और उसका साथी फैसल पेट्रोल भराने के लिए मुण्डेरा चुंगी स्थित पेट्रोल पंप पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि बाद में रावेन्द्र पासी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने अली की मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की, उसके पास से मोबाइल फोन, 1750 रुपये नकद और कुछ जरूरी दस्तावेज छीन लिए। भागने का प्रयास करने पर उन्हें रास्ते में घेरकर ईंट-पत्थरों से हमला किया, जिससे दोनों को चोटें आईं। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस से कई बार शिकायत करने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया, जिसके बाद न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद धूमनगंज पुलिस ने लूट, मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं और किस पक्ष की क्या भूमिका रही।

कृषि विश्वविद्यालय में फिर गूंजेगी किसानों की आवाज

एजेंसी

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज के आसपास 25 किलोमीटर परिधि के किसानों को एक बार फिर नियमित रूप से वैज्ञानिक सलाह और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी मिल सकेगी। विश्वविद्यालय परिसर में दशकों से बंद पड़े नरेंद्र देव आकाशवाणी केंद्र और कृषि तकनीकी सूचना केंद्र (एटिक) को पुनः शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। नवागत कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की पहल से किसानों में अब नई उम्मीद जगी है। नरेंद्र देव आकाशवाणी केंद्र के संचालन से किसानों को प्रत्येक कृषि सीजन में फसल उत्पादन, उन्नत खेती, नई तकनीकों, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा कृषि संबंधी वैज्ञानिक सलाह समय-समय पर उपलब्ध हो सकेगी। इससे क्षेत्र के किसानों को खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार के निकट स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र (एटिक) भी दोबारा सक्रिय किया जाएगा। निदेशक प्रसार कार्यालय के ठीक सामने स्थित यह केंद्र कृषि प्रसार गतिविधियों का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। यहां नियमित रूप से विभिन्न विषयों के सात से आठ वैज्ञानिक किसानों को प्रशिक्षण देने, उनकी समस्याओं का समाधान करने और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उपस्थित रहेंगे। एटिक केंद्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, विकसित फसल प्रजातियों और उपलब्ध सुविधाओं का स्थायी प्रदर्शन भी किया जाएगा। यह केंद्र विश्वविद्यालय के शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार कार्यक्रमों को किसानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है।

अवैध बालू से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली दो परिवारों के लिए बनी काल मां-बेटे समेत 7 वर्षीय मासूम की मौत, चालक फरार

एजेंसी

बाराबंकी। जिले के देवा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटे और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई। हादसा लखनऊ-देवा रोड पर गोपालपुर मोड़ के पास उस समय हुआ जब अवैध बालू से लदी तेज रफ़्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के

अनुसार देवा थाना क्षेत्र के देवगांव निवासी निर्मल कुमार रावत अपने परिवार के साथ लखनऊ के मटियारी स्थित हरिदासी खेड़ा गांव में आयोजित अपनी बहन की मैरिज एनिवर्सरी में शामिल होने गए थे। उनके पड़ोसी और मित्र बृजेंद्र कुमार पाल तथा उनकी मां सुधा देवी भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। देर रात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी लोग बाइकों से वापस बाराबंकी लौट रहे थे। एक बाइक पर निर्मल कुमार अपनी पत्नी और बेटे के साथ सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर उनके मित्र बृजेंद्र कुमार पाल (24 वर्ष), उनकी मां सुधा देवी (50 वर्ष) और निर्मल की 7 वर्षीय पुत्री नैना सवार थी। निर्मल कुमार के अनुसार जब दोनों बाइकें गोपालपुर मोड़ के पास पहुंचीं, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बृजेंद्र की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि 7 वर्षीय नैना कई फीट हवा में उछलकर सड़क पर सिर के बल जा गिरी। वहीं बृजेंद्र और उनकी मां सुधा देवी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पहियों के नीचे आ गए और बुरी तरह कुचल गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल नैना को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और बाद में जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी गई। दुर्घटना के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे क्षेत्र में इस दर्दनाक हादसे के बाद शोक का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिक फेरे लगाने और ज्यादा कमाई करने के लालच में ऐसे वाहन चालक रात के समय खतरनाक गति से ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दौड़ाते हैं। कई बार शिकायतों और हादसों के बावजूद परिवहन विभाग, पुलिस और संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे वाहन संचालकों के हौसले बुलंद बने रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध खनन और बालू परिवहन का कारोबार लंबे समय से जारी है। बिना नंबर और बिना सुरक्षा मानकों वाले वाहन सड़कों पर खुलेआम दौड़ रहे हैं, जिससे आम लोगों की जान लगातार खतरे में बनी रहती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ बिना नंबर और अवैध खनन में संलिप्त वाहनों पर व्यापक अभियान चलाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गोपालपुर मोड़ पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर अवैध खनन, बिना नंबर वाले वाहनों के संचालन और प्रशासनिक निगरानी की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि अवैध परिवहन में लगे वाहनों पर समय रहते कार्रवाई की गई होती, तो शायद मां-बेटे और मासूम बच्ची की जान बचाई जा सकती थी। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस मामले में केवल जांच तक सीमित रहता है या फिर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई भी करता है।

नरैना पुल निर्माण से बहाल होगी वर्षों पुरानी समस्याः अंगद सिंह 5.66 करोड़ की लागत से बना नरैना पुल का एमएलसी ने किया लोकार्पण

एजेंसी

बाराबंकी। रामनगर तहसील क्षेत्र स्थित मढ़ना गांव में नरैना नाला पर नवनिर्मित पुल का बुधवार को लोकार्पण किया गया। लगभग 5.66 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल का उद्घाटन मुख्य अतिथि अंगद सिंह और पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने संयुक्त रूप से किया। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में सुविधा होगी। यह पुल बरसात के दौरान होने वाली वर्षों पुरानी समस्या को दूर करेगा। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने बताया कि महादेवा-कोटवाधाम-अयोध्या मार्ग पर स्थित यह पुल क्षेत्रवासियों की लंबे समय से मांग थी। उन्होंने कहा कि पुल के चालू होने से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा और धार्मिक स्थलों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क सुगम होगा। एमएलसी अंगद सिंह ने जानकारी दी कि नरैना नाला पुल के लोकार्पण के साथ ही कटका नाला पुल का भूमिपूजन भी किया गया। उन्होंने बताया कि यह मार्ग लोधेश्वर महादेव धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है और प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ा है। सिंह ने आश्वासन दिया कि सरकार क्षेत्र में सड़क और पुल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और जल्द ही सड़क मरम्मत व चौड़ीकरण का कार्य भी कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता अनंत प्रताप सिंह और अजीत पटेल ने बताया कि परियोजना की कुल लागत 5.66 करोड़ रुपये है। इसमें पुल निर्माण के साथ प्रभावित किसानों को दिया गया मुआवजा भी शामिल है। उन्होंने पुष्टि की कि निर्माण कार्य विभागीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता के साथ पूरा किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने की, जबकि संचालन तेज प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने किया। इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि कुलदीप सिंह, मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश धीमान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का स्वागत किया गया। क्षेत्रवासियों ने पुल निर्माण के लिए सरकार और लोक निर्माण विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

अयोध्या-लखनऊ मार्ग पर भव्य गेट कॉम्प्लेक्स तैयार -20.20 करोड़ रुपये की लागत से गेट कॉम्प्लेक्स एवं बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य पूर्ण

एजेंसी

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या को नित नई पहचान मिल रही है। इसी क्रम में अयोध्या-लखनऊ मार्ग पर स्थित (फिरोजपुर गांव के पास) 20.20 करोड़ रुपये की लागत से भव्य गेट कॉम्प्लेक्स व बाउंड्रीवॉल का निर्माण कर लिया गया है। यह परियोजना अब अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए स्वागत द्वार बन गई है। अयोध्या लखनऊ हाईवे पर रोड दोनों तरफ दो भव्य प्रवेश द्वार अब मार्ग को नया स्वरूप प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ादित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या को विश्व स्तर का पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है। इस गेट कॉम्प्लेक्स से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक प्रथम दृष्टया ही भव्यता का अनुभव करेंगे। पर्यटन विभाग के इस प्रोजेक्ट ने अयोध्या की सुंदरता और पहचान को और विस्तार दिया है। अब अयोध्या न केवल धार्मिक नगरी है बल्कि आधुनिक

पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित शहर के रूप में भी उभर रहा है। स्थानीय लोगों में भी इस विकास कार्य को लेकर उत्साह है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (निर्माण इकाई, अयोध्या) द्वारा पूरा किया गया। कार्य की शुरूआत 1 नवंबर 2023 को हुई थी और निर्धारित समय से पहले 28 फरवरी 2026 को इसे पूर्ण कर लिया गया। वर्तमान में कार्य पूर्ण होने के बाद हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है। गेट कॉम्प्लेक्स में दो भव्य गेट बनाए गए हैं जो पारंपरिक भारतीय वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं। इन गेट्स के साथ-साथ रोड निर्माण, पार्किंग व्यवस्था, सीवर लाइन, ड्रेनेज सिस्टम, सिंचाई लाइन रेनवाटर हार्वेस्टिंग, फायर फाइटिंग सिस्टम और इंटरनल इलेक्ट्रिफिकेशन का कार्य भी पूरा हो चुका है। यह गेट कॉम्प्लेक्स अयोध्या की सांस्कृतिक गरिमा को बढ़ाते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। प्रवेश द्वार परिसर में हरित क्षेत्र, सुव्यवस्थित पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा गया है। बाउंड्रीवॉल ने पूरे परिसर को सुरक्षित घेरा प्रदान किया है। इस परियोजना से अयोध्या-लखनऊ मार्ग अब न केवल सुंदर दिख रहा है बल्कि यातायात और पर्यटन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि गेट कॉम्प्लेक्स में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, फायर फाइटिंग और पर्याप्त विद्युतीकरण जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे परिसर पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित बन गया है। मार्ग पर यात्रा करने वाले वाहनों के लिए बेहतर पार्किंग व्यवस्था और स्वच्छता का ध्यान रखा गया है। यह परियोजना रामनगरी अयोध्या के प्रवेश मार्ग को भव्य बनाने के साथ-साथ पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने वाली साबित होगी। गेट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन शीघ्र होने की संभावना है, जिसके बाद यह श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा। पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय व्यापार, होटल और परिवहन क्षेत्र को फायदा होगा।

जनजातीय अधिकारों की रक्षा के समर्थन में कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

एजेंसी

अयोध्या। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से ग्रेट निकोबार द्वीप समूह के पर्यावरण, जैव विविधता एवं जनजातीय अधिकारों की रक्षा के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा केन्द्र सरकार की प्रस्तावित ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध में अपने हस्ताक्षर दर्ज कराए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप के अछूते जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों को कॉर्पोरेट हितों के लिए नष्ट करना देश के पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस पार्टी विकास की विरोधी नहीं है, लेकिन ऐसा विकास स्वीकार्य नहीं हो सकता जो प्रकृति और जनजातीय समुदायों के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दे। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि यह केवल एक द्वीप का मामला नहीं बल्कि देश की प्राकृतिक विरासत को

बचाने का प्रश्न है। तो मौजूदा सैन्य सुविधाओं का विस्तार करे, लेकिन करोड़ों पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के विनाश की कीमत पर नहीं। वहां की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति सब तबाह कर देना चाहते हैं।हमें साथ मिलकर निकोबार के लिए आवाज उठानी होगी। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेनू राय एवं महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष श्रीमती नाजिश फातिमा ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रकृति का संरक्षण मानव जीवन और भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। जिला प्रवक्ता शीतला पाठक तथा सेवादल जिला अध्यक्ष फ्लावर नकवी ने कहा केन्द्र सरकार से ग्रेट निकोबार परियोजना पर पुनर्विचार करने तथा पर्यावरण एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। अभियान के अंतर्गत एकत्रित हस्ताक्षरों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के माध्यम से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को प्रेषित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, राम अवध पासी, अश्वनी सिंह मधुर, फ्लावर नकवी, सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा, अशोक सिंह मनहूपुर, अशोक कनौजिया, रामानंद शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, कल्लू शर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह बबलू, मिसबाहूल,जनार्दन मिश्रा,जिओ हैदर, कवींद्र साहनी, विजय श्रीवास्तव, विशाल दुबे ,शिवकुमार ,सतीश सिंह

नगर निकायों में अतिक्रमण एवं विकास कार्यों को दें प्राथमिकता : डीएम तालाबों का संरक्षण

एजेंसी

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद के सभी नगर निकायों की कार्यप्रगति, स्वच्छता व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण, राजस्व वसूली तथा विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता व्यवस्था के प्रत्येक मानक पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों एवं नालियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूला जाए। साथ ही नगर निकाय क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। तालाबों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी नगर निकाय अपने क्षेत्र के तालाबों को अतिक्रमण मुक्त रखें तथा उनके सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि तालाबों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं जनोपयोगी बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद एवं सभी नगर पंचायतों में प्रतिदिन शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि बकाया वसूली में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा सभी निकाय अपने निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति का भी जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अधिशासी अधिकारी वार्ड स्तर तक व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। उन्होंने विकसित भारत संकल्प, जनसंवाद एवं जनकल्याण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी बल दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल सहित नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अभियंता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आरक्षण नियमों की अनदेखी कर पीडीए वर्गों के अधिकारों का हनन- सपा

एजेंसी

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को प्रयागराज में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा 20 मई को लखनऊ में जारी की गई ह्यपीडीए आरक्षण घोटालाह्न बुकलेट को मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में आरक्षण नियमों की अनदेखी कर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों का हनन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को बूथ स्तर तक पहुंचाकर जनता के बीच व्यापक अभियान चलाया जाएगा और सरकार को बेनकाब किया जाएगा। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सपा एम एलसी डॉ मानसिंह यादव व अन्य नेताओं ने कहा कि पार्टी द्वारा तैयार की गई बुकलेट में प्रदेश के 22 विभागों में 11,514 पदों पर हुई भर्तियों का विवरण संकलित किया गया है। 69000 शिक्षक भर्ती, स्वस्थ्य शिक्षा अधिकारी भर्ती, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती, अमीन भर्ती, वन एवं वन्य जीव रक्षक भर्ती, एडेड जूनियर हाइस्कूल भर्ती, लेखपाल भर्ती, सहायक चकबंदी अधिकारी भर्ती, पशु चिकित्सक भर्ती, आयुर्वेदिक चिकत्सा अधिकारी भर्ती, अधिशासी अधिकारी भर्ती, लखीमपुर सहकारी समिति आदि सहित कुल 22 भर्तियों का उल्लेख किया। बुकलेट में आरोप लगाया गया है कि इन भर्तियों में आरक्षण व्यवस्था का समुचित पालन नहीं किया गया, जिससे पीडीए वर्ग के युवाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा। जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव और यमुनापार अध्यक्ष पप्पूलाल निषाद ने कहा कि पार्टी लगातार युवाओं, छात्रों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उनका आरोप है कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण आरक्षण व्यवस्था कमजोर हुई है और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता का अभाव देखने को मिला है। महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन ने कहा कि सरकार आपसी भाई चारे को खत्म करके देश में नफरत का माहौल बना देना चाहती है. संविधान को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में उपस्थित विधायक गण हाकिम लाल बिन्द, श्रीमती गीता शास्त्री, पूर्व सांसद धर्म राज पटेल, पूर्व विधायक हाजी मुजतबा सिद्दीकी, हाजी परवेज अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष पंधारी यादव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अमरनाथ सिंह मौर्य ने भी अपने विचार व्यक्त किए श। तथा सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की जाएगी। इस मौके पर प्रमुख रुप से एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायक गण हाकिम लाल बिन्द, श्रीमती गीता शास्त्री, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन, पूर्व सांसद धर्म राज

पटेल, पूर्व विधायक गण हाजी मुजतबा सिद्दीकी, हाजी परवेज अहमद, पंधारी यादव, अमर नाथ मौर्य, प्रवक्ता दान बहादुर सिंह मधुर, जिला मंहासचिव यमुनापार इंजी. जगदीश यादव, महानगर महसचिव रविन्द्र यादव, जगदीश यादव, राम अवध पाल,क्षजय सिंह यादव एडवोकेट, सचिन श्रीवास्तव, देवीलाल यादव, राजेश सरोज, महेन्द्र सरोज, मकबूल अहमद आदि उपस्थित रहे।

मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं

–राम मंदिर दान में गड़बड़ी पर बृजभूषण शरण सिंह ने दिया चौंकाने वाला बयान

अयोध्या (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर में चढ़ावे के दुरुपयोग और चोरी के आरोपों पर एक बेहद चौंकाने वाला बयान दिया है। जिले के विश्नोहरपुर स्थित अपने पैतृक आवास पर बुधवार को पत्रकारों से कहा कि वह इस पूरे विषय पर बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन फिलहाल सच बोलने की स्थिति में नहीं हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद के बीच बृजभूषण की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण सिंह ने कहा कि मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। अगर मैं सच बोल दूंगा तो बहुत परेशानी में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत बड़े लोग हैं। सच बोलने की हिम्मत अभी मेरे अंदर नहीं है। कभी समय आएगा तो बोलूंगा। उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि वे से उनका तात्पर्य किससे है। सिंह की टिप्पणी अयोध्या में राम मंदिर के दान में गड़बड़ी को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। दिल्ली में करीब 10 दिन के प्रवास के बाद गांव लौटे बृजभूषण सिंह ने अपने हालिया राजनीतिक और सामाजिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से वह कई जटिल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। 2023 में कुछ महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े विवाद का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से उस प्रकरण से उपजी परिस्थितियों को संभालने में लगे हुए हैं।

नीट में अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर बृजभूषण ने कहा कि किसी मंत्री के इस्तीफा देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के पीछे एक संगठित तंत्र है जिसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी मंत्री के इस्तीफा देने से भविष्य में पेपर लीक रुकने की गारंटी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रत्येक परीक्षा केंद्र या व्यवस्था की व्यक्तिगत निगरानी नहीं कर सकता। उनके अनुसार जब तक दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि पहली बार बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती दिखाई दे रही है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा सरकार नकल एवं पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क को तोड़ने में सफल होगी।

संजय सिंह ने कांग्रेस, पीएम मोदी और विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के भाजपा के साथ मिले होने की बात सभी को पता है, तब उन्होंने सपोर्टिंग कैंडिडेट का पर्चा क्यों नहीं भरवाया। आप नेता सिंह ने कहा कि इसतरह के समय में जब एक-एक सांसद महत्वपूर्ण है, यह घटना भाजपा को राज्यसभा में आसानी से जीत दिला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मीनाक्षी का पर्चा गलत ढंग से खारिज हुआ है और चुनाव आयोग भाजपा के हाथ में खेल रहा है। मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे के बाद, संजय सिंह ने ओमान तट पर हुए वाणिज्यिक जहाज पर हमले की घटना पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस हमले में 24 भारतीय चालक दल सदस्यों में से तीन अभी भी लापता हैं। आप सांसद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस पर अपना प्रतिरोध दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने अतीत की घटनाओं का जिक्र किया जहां अमेरिका ने भारतीयों के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणियां कीं या कार्रवाइयां कीं, लेकिन प्रधानमंत्री शांत रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय से तत्काल विरोध दर्ज कराने की मांग की। इसके बाद अंत में आप सांसद सिंह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मामले पर भी केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत सरकार पीओके को अपना हिस्सा मानती है और वहां आतंकी ठिकानों की बात करती है, तब उस पर अब तक कब्जा क्यों नहीं किया। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी का हवाला देकर आरोप लगाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर युद्धविराम कर दिया गया, जो ठीक नहीं था। उन्होंने सलाह दी कि भारत को पीओके की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए और उसके अनुसार फैसले लेने चाहिए।

लालू यादव का जन्मदिन: राबड़ी के हाथों से केक और परिवार का प्यार

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के दिग्गज और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का जन्मदिन उनके पटना स्थित आवास पर धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर उनके पूरे परिवार की मौजूदगी थी, जिसने माहौल को और खुशनुमा कर दिया। पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उन्हें हैप्पी बर्थडे साहेब कहकर शुभकामनाएं दीं और लालू यादव ने भावुक पल में केक काटा। मगर जश्न की सबसे खूबसूरत और हृदयस्पर्शी तस्वीर तब सामने आई जब राबड़ी देवी ने अपने पारंपरिक प्रेम और स्नेह का प्रदर्शन कर अपने हाथों से पति लालू यादव को केक खिलाया। यह दृश्य तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया, जहाँ समर्थकों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, यहाँ तक कि आम लोगों के बीच भी बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। राबड़ी का यह खास और स्नेहपूर्ण अंदाज इंटरनेट पर खूब चर्चा का विषय बना रहा। हर साल की तरह इस बार भी उन्होंने आरजेडी प्रमुख के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें बेहद प्यार से केक खिलाया। दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच की यह खूबसूरत केमिस्ट्री और आपसी सौहार्द उनके कार्यकर्ताओं और आम जनता को खूब पसंद आया। इस पारिवारिक उत्सव में लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बेटी मीसा भारती सहित परिवार के सभी सदस्य एकजुट दिखाई दिए। जैसे ही घड़ी की सुइयां आधी रात को बदलीं, पूरा परिवार अपने साहेब और मुखिया को जन्मदिन की मुबारकबाद देने के लिए इकट्ठा हो गया। तेजस्वी ने अंतरंग तस्वीरों को खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर पिता के प्रति अपना गहरा सम्मान और असीम प्रेम जाहिर किया।

मरवाही में 4 हाथियों का उपद्रव: हॉस्टल की दीवार तोड़ी, कॉलोनी में मचा हड़कंप

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में तब हड़कंप मच गया जब चार जंगली हाथी अचानक रिहायशी इलाके में घुसे। मरवाही स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी और रेंज ऑफिस परिसर में इन विशालकाय हाथियों को टहलते देख लोगों में दहशत मच गई। सुबह-सुबह अपने घरों से निकले लोगों को जब सड़क पर हाथी नजर आए, वे हैरान हो गए। कई लोगों ने मोबाइल पर अनोखे और डरावने नजारे को कैद किया, जबकि कुछ लोग सुरक्षित दूरी से अप्रत्याशित मेहमानों को देख रहे थे। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर हाथियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद वनकर्मी उन्हें दर्रीटोला की दिशा में भेजने में कामयाब रहे, जिससे लगा कि फिलहाल खतरा टल गया है और लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, यह राहत कुछ ही देर की साबित हुई। कुछ समय बाद वहीं चारों हाथी फिर से वापस लौट आए। इस बार वे एक छात्रावास की ओर बढ़े और उसकी बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए आगे निकल गए। इसके बाद हाथियों का यह दल नवाटोला स्थित आम की बगिया में पहुंच गया और वहीं कुछ समय के लिए डेरा डाल दिया। हाथियों की फिर वापसी ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि एक बार आबादी वाले क्षेत्र का रास्ता पहचानने के बाद उनके बार-बार लौटने की संभावना बढ़ जाती है।

सचिन पायलट का पूर्व सीएम गहलोत पर स्नेह बयान, भाजपा पर तीखा हमला

जयपुर(एजेंसी)। दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा राजस्थान की राजनीति का केंद्र बनी। अपने दोनों बेटों के साथ पिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बगावत संबंधी बयानों पर पलटवार कर पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा कि गहलोत जी का स्नेह उनके साथ भी उतना ही है, जैसा उनके बेटे वैभव गहलोत के साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में उनके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे। हालांकि, इससे ठीक पहले, पायलट ने बिना नाम लिए विरोधियों को आंख में आंख डालकर सच-झूठ पहचानने की चुनौती दी थी। अपने पिता के स्मारक से कांग्रेस नेता पायलट ने भजनलाल और केंद्र सरकार पर चौतरफा हमला किया। उन्होंने देश में नीट पेपर लीक और लगातार हो रही परीक्षाओं में धांधली पर गहरी चिंता जताकर कहा कि इससे 22 लाख से अधिक युवाओं का भविष्य दांव पर है। पायलट ने किसानों की घटती आमदनी, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडर के आसमान छूते दामों पर सवाल उठाए, साथ ही सरकार के किसान 20 दिन काम करता है जैसे बयानों को उनकी किसान विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया।

तमिलनाडु में सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने संभाला मोर्चा, महिला-बाल सुरक्षा हुई मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री विजय द्वारा गठित सिंगप्पन स्पेशल फोर्स ने अपने औपचारिक उद्घाटन के बाद मोर्चा संभाल लिया है। इस विशेष बल की टीमें राज्य के संवेदनशील इलाकों में तुरंत तैनात हुई हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला और बाल अपराधों पर लगाम लगाना है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के.भुवनेश्वरी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थल और अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी है। साथ ही, घनी आबादी वाले क्षेत्रों और संभावित संवेदनशील जगहों पर निगरानी के लिए ड्रोनों का इस्तेमाल होगा। आईजी भुवनेश्वरी ने राजारथिनम स्टेडियम में पहल की शुरुआत के बाद बताया कि महिला पुलिसकर्मियों वाली यह विशेष इकाई महिलाओं की सुरक्षा और बचाव के लिए एक समर्पित है। अपनी प्रारंभिक अवस्था में, यह इकाई राज्यभर में 70 फील्ड यूनिट्स के साथ कार्य कर रही है, जिनमें 140 उप निरीक्षक और 420 कॉन्स्टेबल शामिल हैं। भविष्य में इसके विस्तार के लिए राज्यभर में कुल 2,545 नए पद भी स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर, आईजी भुवनेश्वरी ने स्पष्ट किया कि पीछा करने, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अश्लीलता फैलाने जैसे अपराधों के दोषियों के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले चरण में, इन 70 विशेष टीमों में से 12 चेन्नई शहर में, जबकि अवादी और ताम्बरम पुलिस कमिश्नरेट में दो-दो टीमें कार्यरत रहेंगी। ये सभी टीमें स्थानीय पुलिस अधिकारियों की निगरानी में काम करेंगी और कंट्रोल रूम से प्राप्त होने वाली आपातकालीन सूचनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देंगी, जिससे राज्य में महिला-बाल सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा।

बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर फिलहाल बने रहेंगे ऋतब्रत बनर्जी

–कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल हस्तक्षेप से किया इनकार

–टीएमसी की याचिका पर अगली सुनवाई 16 जून को

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) की नियुक्ति को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण अंतरिम फैसला सुनाया। अदालत ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस मांग पर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल विपक्ष के नेता के पद पर बने रहेंगे।

यह मामला उस समय शुरू हुआ जब विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया और तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया। टीएमसी का तर्क है कि नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति केवल विधानसभा अध्यक्ष के विवेक पर आधारित नहीं हो सकती। पार्टी का कहना है कि इस पद के निर्धारण में सदन में दलों की वास्तविक संख्या, राजनीतिक परिस्थितियों और संसदीय परंपराओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पार्टी ने दावा किया कि विपक्ष में रहते हुए उसने इस जिम्मेदारी के लिए सोवदेब चट्टोपाध्याय को चुना था और अध्यक्ष का निर्णय लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप नहीं है।

दूसरी ओर, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी को आधिकारिक रूप से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता मिल चुकी है। हाईकोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाने से इनकार किए जाने के बाद उनकी स्थिति फिलहाल यथावत बनी रहेगी। अदालत के इस अंतरिम रुख को राजनीतिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विपक्षी दलों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे विधानसभा के भीतर चल रहे शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है। वहीं टीएमसी इसे अपने राजनीतिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं से जुड़ा मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि उन्होंने एक बागी विधायक को विपक्ष का नेता बनाकर स्थापित परंपराओं से हटकर निर्णय लिया है। टीएमसी का कहना है कि इससे सदन की राजनीतिक संरचना और विपक्षी दलों की भूमिका प्रभावित हुई है। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को निर्धारित की गई है।

13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में ओले व बारिश की संभावना

–आने वाले दिनों में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और मध्य भारत में भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों राहत मिल सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर-पश्चिम भारत के मौसम में बड़ा बदलाव आने वाला है। 13 जून तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली कड़कने, ओलावृष्टि और व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मौसम की सबसे ज्यादा हलचल 11 और 12 जून को देखने को मिलेगी, जिससे बढ़ते पारे से बड़ी राहत मिल सकती है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में जिसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और उत्तर भारत के आस-पास के इलाके शामिल हैं बिजली कड़कने, तेज़ हवाओं और ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान आ सकता है। पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में अगले पांच से सात दिनों में कुछ जगहों पर 7 सेमी से 20 सेमी तक बारिश हो सकती है। दक्षिण के राज्यों केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में भी भारी बारिश का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में 12 सेमी से 20 सेमी के बीच बारिश दर्ज की गई।

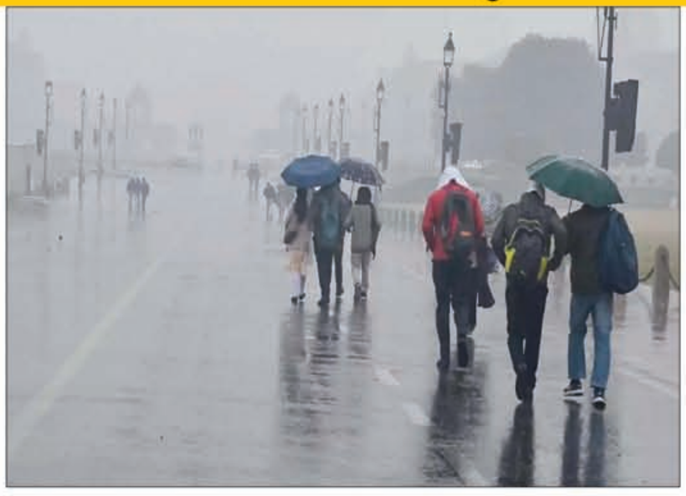

विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले गिरने की खबर है। देश के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की घटनाएं भी देखी गईं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लू की स्थिति बने रहने की उम्मीद है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ओले भी गिर सकते हैं, जिसके चलते आईएमडी ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है, जबकि आने वाले दिनों में पूर्वी भारत में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आ सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के और हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान इसके तमिलनाडु के बाकी हिस्सों को भी कवर करने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून के और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हो रही हैं। मध्य भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की मदद से मानसून के आगे बढ़ने में मदद कर रहा है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में कोई खास बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, 11 से 13 जून के बीच तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य भारत में, 12 जून तक तापमान काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, उसके बाद इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पूर्वी भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में बहुत कम बदलाव की संभावना है, जिसके बाद 12 से 14 जून के बीच 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

विभाग ने पूर्वी मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय के साथ-साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने की उम्मीद है। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश वाले अन्य इलाकों में अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, तेलंगाना, कर्नाटक, दक्षिण कोंकण, तटीय कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप शामिल हैं। कर्नाटक, गोवा और केरल के कुछ हिस्सों में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है।

टीएमसी में बगावत- ममता के पंसदीदा स्टार चेहरों की रहस्यमयी चुप्पी

–सयानी घोष ममता और अभिषेक दोनों की करीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। ममता की पार्टी के अंदर सुलग रही सियासी बगावत की आग अब खुलकर सामने आ गई है, जहाँ टीएमसी के विधायक के बाद सांसद भी बागी हो रहे हैं। टीएमसी के उन 19 बागी सांसदों की एक सूची सामने आई है, जिन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने और काकोली घोष को अपना नेता घोषित किया है।

इस बागी सूची में सयानी घोष, शत्रुघ्न सिन्हा और यूसुफ पठान जैसे तीन बड़े और ग्लैमरस चेहरों के नाम भी शामिल हैं। सूची सामने आने के 24 घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी ये तीनों नेता पूरी तरह खामोश हैं। न उनकी तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है और न ही सोशल मीडिया पर कोई सफाई दी गई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म है।

अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर आसनसोल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा का 24 घंटे तक चुप रहना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। राजनीति के पुराने खिलाड़ी शत्रुघ्न सिन्हा ने अमूमन इसतरह के मामलों में तुरंत मीडिया के सामने आकर खंडन किया होता, लेकिन उनकी खामोशी यह संकेत देती है कि वे फिलहाल वेट एंड वॉच के मोड में हैं। मार्च 2022 में टीएमसी में शामिल हुए और ममता बनर्जी द्वारा गैर-बंगाली होने के बावजूद दिए गए सम्मान के बाद उनका बागी गुट में नाम आना पार्टी के लिए चिंता का कारण है।

बहरामपुर से टीएमसी सांसद बने पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान भी पूरी तरह मौन हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें सियासत में लाकर एक बड़े धर्मनिरपेक्ष चेहरे के रूप में दिखाया था। इसके बाद बागी लिस्ट में उनका नाम होना और उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया न आने से टीएमसी नेतृत्व के माथे पर शिकन साफ दिख रही है।

लेकिन इन बागी सांसदों में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम सयानी घोष का है। टीएमसी की युवा विंग की बड़ी नेता रहीं सयानी को ममता और अभिषेक बनर्जी का बेहद करीबी कहा जाता है। हर मुद्दे पर पार्टी का पक्ष आक्रामक तरीके से सोशल मीडिया और टीवी डिबेट में रखने वाली सयानी की चुप्पी बताती है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। ममता और अभिषेक बनर्जी भी सयानी के इस बदलाव को लेकर बेचैन हैं। सत्ता गंवाने के बाद पार्टी पहले से ही बिखराव के दौर से गुजर रही है, इसके बाद सयानी का बागी गुट के साथ जाना उनकी चिंताएं और बढ़ा रहा है।

वहीं टीएमसी की तरफ से डैमेज कंट्रोल की कोशिशें जारी हैं। सांसद कीर्ति आजाद ने बताया कि उन्होंने सयानी घोष से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। सयानी की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलना यह दर्शाता है कि बगावत की जड़ें अनुमान से कहीं ज्यादा गहरी हैं।

मैं पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़ा हूं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़ा हूं: सुप्रियो

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सियासी उथल-पुथल जारी है। चुनाव हारने के बाद से टीएमसी लगातार बिखरती जा रही है और एक-एक करके ममता के करीबी उनका साथ छोड़ते जा रहे हैं। अब तक टीएमसी के तीन राज्यसभा सांसद इस्तीफा दे चुके हैं और एक अनुमानित लिस्ट में कई ऐसे बागियों के नाम हैं जो आने वाले दिनों में पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद बाबुल सुप्रियो ने पार्टी में चल रही अंदरूनी उथल-पुथल और राजनीतिक अटकलों के बीच बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि मीडिया लगातार उनसे यह पूछ रहा है कि वे किस खेमे में हैं, जिससे वे थक चुके हैं। सुप्रियो ने साफ किया कि वह पूरी तरह उस पार्टी और नेतृत्व के साथ खड़े हैं, जिसके साथ वर्तमान में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने जो जनादेश दिया है, उसका सम्मान करना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के तहत वह राज्य सरकार के साथ तालमेल बनाकर अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। बाबुल सुप्रियो ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना फंड को जनता का पैसा बताते हुए कहा कि यह राशि सीधे राज्य सरकार और जिला प्रशासन के जरिए खर्च होती है, न कि सांसद के निजी नियंत्रण में रहती है, उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि उपलब्ध निधि का करीब 90 फीसदी हिस्सा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं पर खर्च किया जाए।

सुप्रियो ने याद दिलाया कि अतीत में राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए राज्य सरकारों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है, लेकिन विकास कार्यों और जनता के हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओपन लेटर की तरह एक लंबा जवाब लिखकर पोस्ट किया है और लिखा है कि मुझे किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। हर व्यक्ति को अपने फैसले लेने का अधिकार है, मैं उन लोगों का बचाव नहीं करूंगा जिन्होंने भ्रष्टाचार किया, जनता का पैसा लूटा और सिस्टम को नुकसान पहुंचाया। ऐसे लोगों की जगह जेल में है और उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि सभी दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

नया भारत: पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (स्पिरी) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहेड को ऑपरेशनल रूप से तैनात किया है, जो उसकी परमाणु नीति में बड़े बदलाव को दिखाता है। पहले भारत युद्धकालीन स्थिति में ही परमाणु वॉरहेड और मिसाइलों को जोड़ता था, लेकिन अब कुछ वॉरहेड मिसाइल साइलो और परमाणु पनडुब्बियों पर हमेशा तैयार रखे जाएंगे। इस कदम से भारत की परमाणु तैयारियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और यह उसके परमाणु त्रय (हवाई, जमीन और समुद्री) को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अब मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्री प्रतिरोध गश्त जैसे उपाय कर रहा है, जिससे शांतिकाल में भी कुछ वॉरहेड लांचर से जुड़े रह सकते हैं। यह कदम सुरक्षा को लेकर भारत की बढ़ती चिंताओं का स्पष्ट संकेत देता है। भारत का परमाणु कार्यक्रम हमेशा से रक्षात्मक रहा है, जिसका उद्देश्य हमला करना नहीं, बल्कि दुश्मनों को रोकना है।

भारत अपनी नो फर्स्ट यूज (पहले परमाणु हमला न करने) की नीति पर दृढ़ता से कायम है, जिसका अर्थ है कि उसके परमाणु हथियार केवल जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। यदि कोई देश भारत या उसकी सेनाओं पर परमाणु हमला करता है, तभी इनका इस्तेमाल किया जाएगा। भारत अपना परमाणु शस्त्रागार सीमित लेकिन प्रभावी रखता है, जिसका मकसद केवल दुश्मनों को रोकना है, न कि हथियारों की होड़ में शामिल होना। स्त्रिपी के हालिया अनुमानों के अनुसार, भारत के पास करीब 190 परमाणु हथियार हैं, जो पिछले वर्ष से थोड़े अधिक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हथियारों की निगरानी करने वाली प्रमुख संस्था स्त्रिपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत इस बदलाव से अपनी सुरक्षा को और पुख्ता बनाने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच, पाकिस्तान भी परमाणु हथियारों की दौड़ में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास अनुमानित रूप से 170 परमाणु हथियार हैं और वह नई हथियार प्रणालियों का विकास जारी रखे हुए है, जिससे उसके भंडार में आने वाले दशक में और वृद्धि होने की संभावना है।

स्त्रिपी ने अपनी रिपोर्ट में पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच रहे असामान्य रूप से गंभीर सैन्य संकट का भी उल्लेख किया है। मई 2025 में दोनों देशों के बीच हुए संक्षिप्त सैन्य संघर्ष के दौरान, भारत ने पाकिस्तानी हवाई और मिसाइल ठिकानों पर हमले किए थे, जिनके परमाणु स्तर तक बढ़ने की आशंका भी थी, हालांकि दोनों पक्षों ने तनाव को बढ़ने से रोकने के प्रयास किए। रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में 92.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रक्षा व्यय के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**